RNI. NO. RAJHIN/2021/82156

डाक पंजीयन संख्याः RJ/ALW/866/23-25

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा

जज्बा सच दिखाने का

वर्ष -05 | अंक -200 | मूल्यः 2.00 रू. | अलवर, बुधवार 01 अक्टूबर, 2025 | प्रभात संस्करण | कुल पेज- 8

WWW.Voiceofpratigya.com | Twitter.com/Voiceofpratigya | facebook.com/Voiceofpratigya | YouTube.com/Voiceofpratigya | Instagram- Instagram.com/Voiceofpratigya | 9414508610 | pratigya.alwar@gmail.com

एमपी-राजस्थान में खांसी की दवा ले रही जान, सिरप पीने से सात बच्चों की मौत, स्वास्थ्य विभाग ने लगाई रोक

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भोपाल/जयपुर

मध्य प्रदेश और राजस्थान में सर्दी खांसी की दवा से बच्चों की मौत की आशंका जताई जा रही है। दोनों राज्यों में अब तक सात बच्चों की मौत हुई है। सबसे ज्यादा मौतें मध्यप्रदेश में दर्ज की गई हैं। यहां पर छह बच्चों ने दम तोड़ दिया है, वहीं एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। जबकि राजस्थान में एक बच्चे की मौत हो चुकी है। कई बच्चों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। दोनों राज्यों में शुरुआती जांच में खांसी की दवा को कारण माना जा रहा है, हालांकि अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई है। कई रिपोर्ट आना बाकी है। राजस्थान में सरकारी अस्पतालों में दवा वितरित की गई थी। छिंदवाड़ा कलेक्टर शीलेंद्र सिंह ने बताया कि परासिया समेत विभिन्न इलाकों में बच्चों को सर्दी खांसी हो रही थी। अगस्त और सितंबर महीने में ऐसे मामलों में इजाफा हुआ। इलाज के लिए बच्चों को अस्पताल ले जाया गया। वहां पर बच्चों का इलाज शुरू हुआ। अगस्त के आखिरी हफ्ते में कुछ बच्चों की तबीयत ज्यादा खराब हो गई। ऐसा तब हुआ जब बच्चों को खांसी, बुखार और सर्दी रोकने के लिए दवा दी गई। सीएमएचओ डॉ. नरेश गुन्नाडे के मुताबिक 24-25 अगस्त को ऐसे मामलों की संख्या बढ़ गई। सितंबर के पहले हफ्ते में बच्चों की तबीयत ज्यादा खराब होने लगी और एक बच्चे की मौत हो गई। प्रशासन के अनुसार बच्चों का बुखार कम नहीं हो रहा था

और पेशाब करने में उनको परेशानी हो रही थी। प्रशासन ने अलग-अलग इलाकों से पानी के सैंपल लिए और जांच के लिए पुणे भेजे। जब बच्चों की मौत का आंकड़ा बढ़ने लगा तो दिल्ली और भोपाल से टीमें छिंदवाड़ा पहुंची। अलग-अलग इलाकों से पानी के सैंपल लिए गए। पर किसी बैक्टीरिया या वायरस की पुष्टि नहीं हुई। इसके बाद कुछ बच्चों को नागपुर में भर्ती कराया गया। वहां पर चार बच्चों की मौत हो गई। इसके बाद इन बच्चों की किडनी की बॉयोप्सी करवाई गई। इसमें खुलासा हुआ कि सिरप में डायएथिलीन ग्लायकॉल खराब है। सीएमएचओ ने बताया कि सभी टीमों की मीटिंग के बाद ये पाया गया कि कुछ दवाएं भी बच्चों पर गलत असर डाल सकती हैं, इस वजह से अभी कोल्ड्रिफ कफ सिरप की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। साथ ही सलाह दी गई है। इसका इस्तेमाल सावधानी पूर्वक किया जाए। जांच रिपोर्ट आने के बाद इस सिरप के असर के बारे में कुछ पुख्ता तौर पर कहा जा सकता है। उन्होंने बताया कि परासिया में अलग से वार्ड बनाया गया है। अब तक छह बच्चों की मौत हो चुकी है। इनमें कारण किडनी फेल होना है। केन्द्र और राज्य से स्वास्थ्य विभागों की टीमें आईं हुई हैं जो जांच कर रही हैं। अभी उनकी रिपोर्ट आना बाकी है। सीएमएचओ ने बताया कि यहां पर कोई महामारी नहीं है। बच्चों के ब्लड सैंपल लिए गए हैं, जिनको पुणे के वायरोलॉजी इंस्टीट्यूट भेजा गया है। गांवों से पानी के सैंपल भी लिए गए हैं। अभी तक करीब 3 हजार ब्लड सैंपल लिए जा चुके हैं।

राजस्थान में क्या हुआ?

राजस्थान में बच्चों को दी जा रही खांसी की दवा से साइड इफेक्ट के मामले लगातार सामने आए हैं। बांसवाड़ा, भरतपुर और सीकर के बाद अब राजधानी जयपुर में भी बच्चों की तबीयत खराब होने का सिलसिला शुरू हुआ है। यहां पर भी बच्चों को सर्दी खांसी की दवा दी गई। दवा डेक्सट्रोमेथॉरफन हाइड्रोब्रोमाइड सिरप दी गई थी। सीकर जिले में सरकारी अस्पताल में 5 साल के नितियांस को दवा दी गई। इसके बाद उसकी सांसे रुकने लगीं। परिजनों के अनुसार, नितियांस को कई दिनों से खांसी की शिकायत थी। उसकी मां खुशी उसे नजदीकी चिराना सीएचसी लेकर गई, जहां उसे खांसी के इलाज के लिए सिरप दिया गया। रात करीब 11.30 बजे दवा बच्चे को पिलाई गई। रात करीब 3.30 बजे बच्चे को हिचकी आनी शुरू हुई। मां ने पानी पिलाया, लेकिन सुबह तक बच्चा जागा नहीं। इसके बाद परिजन उसे सीकर के अस्पताल लेकर गए, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। प्रदेश के अन्य जिलों में भी खांसी की दवा देने के बाद बच्चों की तबीयत बिगड़ी। इसके बाद अस्पतालों में वितरित की जाने वाली सिरप की सप्लाई पर रोक लगा दी गई। ड्रग कंट्रोलर अजय फाटक ने बताया कि भरतपुर और सीकर में कुछ बच्चों की तबीयत बिगड़ी इसके बाद दवा के सैंपल लिए गए हैं। भरतपुर के जिस अस्पताल में बच्चों को यह दवा दी गई, वहां एक चिकित्सक ने भी इसका सेवन किया था, जिसके बाद उसकी तबीयत भी बिगड़ गई।

सिरप की सप्लाई को रोका गया

ड्रग कंट्रोलर अजय फाटक ने बताया कि जांच के लिए सैंपल प्रयोगशाला भेजे गए हैं। रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। डेक्सट्रोमेथॉरफन हाइड्रोब्रोमाइड सिरप बच्चों को दिया जा रहा था। ये जयपुर की लोकल फार्मा कंपनी कायसन्स फार्मा ने सप्लाई किया था। इसकी मैन्युफैक्चरिंग यूनिट सरना डूंगर औद्योगिक क्षेत्र में स्थित है। राजस्थान मेडिकल सर्विस कॉरपोरेशन लिमिटेड ने इस कंपनी की सिरप की सप्लाई सभी अस्पतालों में रोक दी गई है। आरएमएससीएल के कार्यकारी निदेशक एवं विशेषाधिकारी जयसिंह ने बताया कि फिलहाल इस दवा के दो बैच की जांच कराई जा रही है, लेकिन एहतियातन सभी बैच की सप्लाई को पूरी तरह से होल्ड कर दिया गया है।

राष्ट्रपति मर्मू ने सीडीएस और तीनों सेनाओं के प्रमुखों से की मुलाकात, कई मुद्दों पर की चर्चा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मर्मू ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में मुख्य रक्षा अधिकारी जनरल अनिल चौहान और थल, वायु और नौसेना प्रमुखों से मुलाकात की। राष्ट्रपति कार्यालय ने इस मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की हैं। यह बैठक भारत की सैन्य नेतृत्व की मजबूती और रणनीतिक संवाद को दर्शाती है। राष्ट्रपति मर्मू ने सीडीएस जनरल अनिल चौहान के साथ सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह और नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी से मुलाकात की। बैठक का उद्देश्य देश की सुरक्षा, सैन्य तैयारियों और प्रमुख मामलों पर विचार-विमर्श करना बताया गया। राष्ट्रपति ने राष्ट्रपति की अंगरक्षकों (पीबीजी) को उनके 75 वर्षों की शानदार सेवा के लिए डायमंड जुबिली सिल्वर ट्रंपेट और ट्रंपेट बैनर प्रदान किया। इस अवसर पर 'वीरात', अंगरक्षक के प्रतिष्ठित अश्व को भी सम्मानित किया गया। राष्ट्रपति ने समारोह में कहा कि हम सभी अंगरक्षकों की सेवा और परंपराओं पर गर्व महसूस करते हैं। राष्ट्रपति की अंगरक्षकों की स्थापना 1773 में गवर्नर-जनरल के अंगरक्षक के रूप में हुई थी, जिसे बाद में वायसरॉय के अंगरक्षक के नाम से जाना गया। 27 जनवरी 1950 को इसे राष्ट्रपति की अंगरक्षकों के रूप में नामित किया गया। यह एकमात्र रेजिमेंट है जिसे दो 'स्टैंडर्ड' राष्ट्रपति का स्टैंडर्ड और रेजिमेंटल स्टैंडर्ड धारण करने की अनुमति है। पीबीजी के कर्मियों और उनके घोड़ों के बीच विशेष संबंध है। रिटायरमेंट के बाद भी 'वीरात' को अपनाया गया, जो इस बंधन का प्रतीक है। पीबीजी के कर्मी उत्कृष्ट अश्वारोही, टैंक विशेषज्ञ और पैराट्रूपर्स होते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 26 जनवरी, 2022 को गणतंत्र दिवस पर इस घोड़े को प्यार से थपथपाया था। आज पीबीजी विशेष शारीरिक क्षमताओं वाले हाथ से चुने गए व्यक्तियों का संगठन है। इसकी चयन प्रक्रिया बहुत कठोर होती है। वर्तमान में यह रेजिमेंट समारोहों और राष्ट्रपति के प्रतिनिधित्व के लिए जिम्मेदार है। इसकी पेशेवर उत्कृष्टता और सैन्य परंपराओं का पालन इसे भारतीय सेना में अनूठा बनाता है।

डीएमके का दावा-

विजय की रैली में तोड़े गए नियम, राज्य सरकार ने उल्लंघन का वीडियो किया जारी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा चेन्नई

तमिलनाडु सरकार ने मंगलवार को अभिनेता-राजनेता विजय की करूर में हुई रैली के दौरान नियमों का उल्लंघन दिखाते हुए वीडियो जारी किए। सरकार का कहना है कि रैली में आए लोगों की संख्या अनुमान से दोगुनी थी, जिससे बड़ी असुविधा हुई। सरकारी प्रवक्ता और वरिष्ठ आईएएस अधिकारी पी. अमूथा, स्वास्थ्य सचिव सेन्थिल कुमार और एडीजीपी लॉ एंड ऑर्डर एस. डेवासिरवथम ने सचिवालय में प्रेस ब्रीफिंग के दौरान वीडियो और फोटो जारी किए। इन वीडियो में दिखाया गया कि टीवीके के कार्यकर्ता छत पर चढ़ते दिखाई दिए, जो नियमों के खिलाफ था। सरकार ने कहा कि इस तरह के उल्लंघन और बड़ी भीड़ से सुरक्षा और व्यवस्था पर गंभीर असर पड़ा। मामले में अधिकारियों ने बताया कि रैली में आए अनुमानित 10,000 लोगों की संख्या दोगुनी होकर 25,000 से ज्यादा हो गई, जिससे कई कठिनाइयां पैदा हुईं। सरकार ने वीडियो दिखाकर स्पष्ट किया कि टीवीके कार्यकर्ताओं ने दुकानों और घरों की छत पर चढ़कर नियम तोड़े। रैली के लिए चुनी गई जगह, करूर राउंडताना, पेट्रोल पंप और गंदे नाले के पास होने के कारण मंजूर नहीं की गई थी। एडीजीपी (कानून-व्यवस्था) डेवासिरवथम ने बताया कि पुलिस ने विजय को निर्धारित स्थान से 50 मीटर पहले रुकने के लिए कहा, लेकिन आयोजकों ने ऐसा नहीं किया। भीड़ बढ़ने से जनरेटर और रोशनी प्रभावित हुई। वहीं स्वास्थ्य सचिव पि. सेंथिलकुमार ने कहा कि भीड़ के गर्मी से प्रभावित होने और डिहाइड्रेशन के कारण कई लोग अस्पताल गए। रैली और उसके बाद के कार्यक्रमों में सड़क हादसों में भी लोग घायल हुए। करूर में 114 लोग घायल हुए, जबकि विलुपुरम में 42, मदुरै में 14 और तिरुचिरापल्ली में 12 घायल हुए। वहीं सरकार ने अफवाह फैलाने और हिंसा भड़काने वाली सामग्री से सावधानी बरतने की चेतावनी भी दी है। इधर, टीवीके अभियान प्रबंधन महासचिव, आधव अर्जुन के खिलाफ उत्तर क्षेत्र साइबर अपराध पुलिस स्टेशन में धारा 47/2025 के तहत बीएनएस की धारा 192, 196 (1) (बी), 197 (1) (डी), 353 (1) (बी) और 353 (2) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

आज की चुनौतियों से निपटने के लिए साझा प्रणाली जरूरी, एकीकरण से बढ़ेगा आत्मविश्वासः रक्षा मंत्री

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि आज के समय में साइबर हमलों, सूचना युद्ध और बदलती सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए भारतीय सेना के बीच बेहतर तालमेल और एक समान प्रणाली की जरूरत है। वह दिल्ली में आयोजित त्रि-सेवा संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्रालय इस दिशा में हरसंभव सहयोग करेगा। राजनाथ सिंह ने कहा, हमारी सेनाओं ने वर्षों के अनुभव से अपनी ऑडिट प्रणाली विकसित की हैं। लेकिन आज के एकीकृत अभियानों के दौर में जरूरी है कि ये प्रणाली एक-दूसरे जुड़ी हों। अगर हर सेना अलग-अलग काम करेगी, तो फैसला लेना मुश्किल हो सकता है। एकीकृत प्रणाली से सेनाओं का आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। आज हमें साइबर हमलों और सूचना युद्ध का खतरा है, इसलिए हमें इनके लिए मानक तय करने होंगे। उन्होंने आगे कहा, जब हम मानक तय करने की बात करते हैं, तो इसका मतलब यह नहीं है कि सेनाओं की अपनी पहचान खत्म हो जाएगी। हम हर सेना पर एक जैसा तरीका नहीं थोप सकते। हमें ऐसी प्रणाली बनानी होगी जो तीनों सेनाओं के काम को एकसाथ जोड़े। मुझे भरोसा है कि इस पर गंभीर चर्चा होगी और रक्षा मंत्रालय पूरा सहयोग करेगा। रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि देश को इस दिशा में लगातार काम करने की जरूरत है, ताकि एक ऐसी आधुनिक और सक्षम प्रणाली तैयार की जा सके जो सभी सेवाओं के लिए उपयोगी हो। उन्होंने कहा, इसके लिए हमें लगातार संवाद की जरूरत होगी। इस प्रक्रिया में नेतृत्व की भूमिका बहुत अहम होगी। हर कदम पर यह स्पष्ट करना होगा कि यह सुधार क्यों जरूरी है। जब तक हर सेवा और हर कर्मचारी को 'संयुक्तता' का महत्व समझ में नहीं आएगा, तब तक यह सफल नहीं हो सकता। हम दूसरे देशों के अच्छे अनुभवों से सीख सकते हैं, लेकिन हर देश की अपनी परिस्थितियां होती हैं। हमें अपनी जरूरतों के हिसाब से समाधान तैयार करना होगा। रक्षा मंत्री ने थल सेना, वायु सेना और नौसेना के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि देश ऑपरेशनल तैयारियों की दिशा में आगे बढ़ रहा है, लेकिन अब अगला कदम 'त्रि-सेवा लॉजिस्टिक्स' का एकीकरण होना चाहिए।

मुख्यमंत्री का जैतारण दौरा

हर नागरिक तक सुशासन, सुविधाएं और विकास की पहुंच का सशक्त माध्यम है सेवा पखवाड़ाः भजनलाल शर्मा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

हमारी सरकार गांव और गरीब के उत्थान, किसान एवं महिला के सम्मान के लिए कार्य कर रही है। इसी दिशा में सेवा पखवाड़ा प्रदेश के हर नागरिक तक सुशासन, सुविधाएं और विकास की पहुंच सुनिश्चित करने के साथ ही जनसेवा के ध्येय की प्राप्ति का एक सशक्त माध्यम है। शर्मा मंगलवार को ब्यावर के जैतारण में सेवा पखवाड़ा के अन्तर्गत विभिन्न विकास कार्यों के शिलान्यास एवं लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर 17 सितंबर से संचालित सेवा पखवाड़ा प्रधानमंत्री जी के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूलमंत्र को मूर्त रूप देने का एक माध्यम है। उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए इस सेवा पखवाड़े के अंतर्गत प्रदेशभर में ग्रामीण और शहरी सेवा शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण सेवा शिविरों में रजिस्ट्री, पट्टे, गिरदावरी, कुर्रेजात, विभाजन, नामांतरण, प्रमाण पत्र और अन्य विभिन्न कार्य किए जाने के साथ ही जनकल्याणकारी योजनाओं से भी पात्र लोगों को जोड़ा जा रहा है।

हमारी सरकार ने ऊर्जा के क्षेत्र में किए अभूतपूर्व कार्य

मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में हमारी सरकार प्रदेश के विकास के लिए ऐतिहासिक कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि गत 25 सितंबर को प्रधानमंत्री जी ने बांसवाड़ा में न्यूक्लियर पावर प्लांट की नींव रखी है। यह प्लांट राजस्थान के साथ ही देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने ऊर्जा के क्षेत्र में अभूतपूर्व काम किया है। प्रदेश के 22 जिलों में किसानों को दिन के समय बिजली मिलनी शुरू हो चुकी है। इसी तरह रामजल सेतु लिंक परियोजना तथा यमुना जल समझौते को मूर्त रूप दिया जा रहा है।

91 हजार युवाओं को दी सरकारी नौकरियां

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार ने इन डेढ़ वर्षों में जो काम कर दिखाया है, वह काम पूर्ववर्ती सरकार पूरे 5 साल में भी नहीं कर पाई। हमारी सरकार में प्रदेश के युवाओं को सरकारी नौकरियों के भरपूर अवसर मिल रहे हैं। हमने अब तक लगभग 91 हजार नियुक्तियां दी हैं तथा लगभग 1 लाख 54 हजार पदों पर नियुक्ति देने की प्रक्रिया विभिन्न चरणों में है। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में प्राप्त 35 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों में से 3 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं की शुरुआत मार्च में की जा चुकी है तथा अब 4 लाख करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट धरातल पर उतरने के लिए तैयार हैं। इन निवेश प्रस्तावों के धरातल पर उतरने से युवाओं को निजी क्षेत्र में भी रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकेंगे।

शर्मा ने सेवा शिविरों की प्रगति का जिक्र करते हुए कहा कि इस पखवाड़े में अब तक 4 हजार 121 ग्रामीण सेवा शिविर आयोजित किए गए हैं, जिनमें करीब 53 हजार नामांतरण और करीब 54 हजार शुद्धिकरण के कार्य हुए हैं। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की 82 हजार से अधिक पॉलिसी के वितरण के साथ ही एनएफएसए पोर्टल पर लंबित 78 हजार से अधिक प्रकरणों को निस्तारित किया गया है। इसी तरह स्वामित्व योजना के तहत 64 हजार से अधिक पट्टे और मंगला पशु बीमा योजना के अंतर्गत 85 हजार से ज्यादा पशु बीमा वितरित किए गए। इसी तरह शहरी सेवा शिविरों में 8 हजार से ज्यादा पट्टे वितरित किए गए और 42 हजार से ज्यादा प्रमाणपत्र जारी किए गए।

चिदंबरम का दावा: 26/11 के बाद अमेरिकी दबाव में पाक पर नहीं की गई कार्रवाई

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व गृह मंत्री पी चिदंबरम ने 26/11 मुंबई आतंकी हमले को लेकर बड़ा खुलासा किया है। चिदंबरम ने कहा कि 26/11 मुंबई आतंकी हमले के बाद अमेरिकी दबाव में तत्कालीन यूपीए सरकार ने पाकिस्तान पर कार्रवाई नहीं की थी। चिदंबरम के इस खुलासे के बाद भाजपा कांग्रेस पर हमलावर हो गई है। चिदंबरम के खुलासे पर पलटवार करते हुए भाजपा ने कहा, कांग्रेस की कमजोरी आखिर उजागर हो गई लेकिन पूर्व गृह मंत्री का कबूलनामा बहुत देर में आया। चिदंबरम ने एक समाचार चैनल को दिए साक्षात्कार में कहा, 2008 के हमले के बाद तात्कालीन मनमोहन सिंह सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई पर विचार किया था, लेकिन अंतरराष्ट्रीय दबाव, खासकर तब की अमेरिकी विदेश मंत्री कोंडोलिजा राइस की अपील के चलते भारत ने युद्ध का विचार त्याग दिया था। चिदंबरम ने बताया, पूरी दुनिया ने भारत से अपील की थी कि युद्ध मत शुरू कीजिए। राइस हमले के कुछ ही दिन बाद दिल्ली में मुझसे और प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह से मिलीं। उन्होंने भी कहा कि आप कोई जवाबी कार्रवाई न करें। तत्कालीन गृह मंत्री शिवराज पाटिल ने इस हमले की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दे दिया था।

अलवर का चिकानी-बहादुरपुर क्षेत्र बना मिलावटखोरों का गढ़, प्रशासन की लापरवाही से लोगों की सेहत पर संकट

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

अलवर जिले का चिकानी बहादुरपुर क्षेत्र इन दिनों मिलावटखोरों का सुरक्षित ठिकाना बन गया है। दूध, घी, मसाले और मिठाइयों में मिलावट के बाद अब नकली पनीर और मावा का कारोबार यहां खुलेआम फल-फूल रहा है। यह सब कुछ प्रशासन और खाद्य सुरक्षा विभाग की नाक के नीचे हो रहा है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी आंखें मूंदे बैठे हैं। शिकायतें दर्ज होने और खबरें सामने आने के बावजूद कार्रवाई के नाम पर सिर्फ औपचारिकता निभाई जाती है। इससे साफ है कि कहीं न कहीं प्रशासनिक तंत्र की मिलीभगत भी इसमें शामिल है।

गांव और आसपास के इलाकों में मिलावटखोर लंबे समय से सक्रिय हैं। दूध में डिटर्जेंट, स्टार्च और सिंथेटिक रसायनों की मिलावट पकड़ी जा चुकी है, मगर जिम्मेदार अधिकारियों ने कभी दोषियों का धंधा बंद कराने या उन पर कठोर कार्रवाई करने की हिम्मत नहीं दिखाई। नतीजा यह है कि अब यहां नकली पनीर और मावा फैक्ट्री स्तर पर तैयार हो रहे हैं और आसपास के कस्बों व शहरों में धड़ल्ले से सप्लाई किए जा रहे हैं।

त्योहारों के दिनों में स्थिति और भी भयावह हो जाती है। दुकानों पर बिकने वाली मिठाइयों और पनीर का रंग, स्वाद और बनावट देखकर ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि इनमें मिलावटी और नकली सामग्री का इस्तेमाल किया गया है। स्थानीय लोग आरोप लगाते हैं कि खाद्य सुरक्षा विभाग की जांच टीमें या तो इस क्षेत्र का रुख करती ही नहीं, और अगर कभी आती भी हैं तो छापेमारी से पहले ही मिलावटखोरों को खबर मिल जाती है। यह सीधे तौर पर प्रशासनिक मिलीभगत का संकेत है।

ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन की लापरवाही ने पूरे इलाके को बदनाम कर दिया है। अगर शुरुआत में ही कठोर कदम उठाए जाते, तो आज चिकानी बहादुरपुर का नाम "मिलावटखोरी का गढ़" न बनता। अब हालात ऐसे हैं कि यहां तैयार होने वाले नकली पनीर, मावा और मिठाइयों से हजारों लोगों की सेहत पर खतरा मंडरा रहा है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि मिलावटी दूध, पनीर और मावा से पेट, लीवर और किडनी पर बुरा असर पड़ता है। बच्चों और बुजुर्गों के लिए यह जानलेवा भी साबित हो सकता है। लेकिन अधिकारियों की चुप्पी यह साबित करती है कि जनस्वास्थ्य उनकी प्राथमिकता में कहीं नहीं है।

लोगों ने प्रशासन से सीधा सवाल किया है - आखिर कब तक आंखें मूंदकर बैठा रहेगा खाद्य सुरक्षा विभाग? क्या किसी बड़ी बीमारी या त्रासदी का इंतजार किया जा रहा है? ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही नियमित जांच अभियान चलाकर दोषियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई नहीं की गई, तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे। प्रशासन की निष्क्रियता और मिलीभगत ने इस पूरे मामले को और गंभीर बना दिया है। सवाल यही है कि क्या जिम्मेदार अधिकारी अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे, या फिर जनता को मिलावटी खाने से बीमार पड़ते देखना ही उनकी नीति बन गई है?

बेटे की रंजिश में पिता पर फायरिंग, गंभीर रूप से घायल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

जिले के नौगांवा थाना क्षेत्र के पाटा गांव में देर रात एक सनसनीखेज वारदात सामने आई। गांव निवासी हाकम दीन पर गोलू सिंह और उसके भाइयों ने रास्ते में घात लगाकर हमला कर दिया। जानकारी के अनुसार हाकम दीन अपने घर लौट रहे थे, तभी आरोपियों ने पहले उन्हें रोककर गाली-गलौज की और उसके बाद देसी कट्टे से फायरिंग कर दी। गोली के छर्रे लगने से वे गंभीर रूप से घायल हो गए। इसी दौरान एक अन्य आरोपी ने लाठी-डंडों से प्रहार कर उनकी हालत और बिगाड़ दी। बताया जाता है कि हाकम दीन के पुत्र साहिल और गोलू सिंह भाइयों के बीच पैसों के लेन-देन को लेकर विवाद चला आ रहा था। इसी पुरानी रंजिश के चलते इस हमले को अंजाम दिया गया। घायल को तत्काल स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही नौगांवा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल से देसी कट्टा बरामद किया। पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है और गांव में अतिरिक्त जाब्ता भी लगाया गया है ताकि माहौल बिगड़े नहीं। ग्रामीणों ने घटना पर आक्रोश जताते हुए आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है।

तिजारा पुलिया रोड पर मेडिकल स्टोर्स में चोरी, नकदी व दवाइयां पार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

शहर में चोरी की वारदातें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। सोमवार देर रात शिवाजी पार्क थाना क्षेत्र के तिजारा पुलिया रोड पर चोरों ने तीन दुकानों को निशाना बनाया। इनमें दो मेडिकल स्टोर और एक किराना दुकान शामिल रही। हालांकि किराना दुकान का ताला नहीं टूटा, लेकिन दोनों मेडिकल स्टोर्स से चोर 10 से 12 हजार रुपए नकद और कई हजार रुपए की दवाइयां ले गए। घटना का फुटेज भी सामने आया है, जिसमें चोरों की गतिविधियां साफ नजर आ रही हैं। इसके बावजूद अभी तक पुलिस चोरों तक नहीं पहुंच सकी है। पीड़ित दुकानदारों ने मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई है और पुलिस जांच में जुटी हुई है। किशोर मेडिकल स्टोर संचालक किशोर ने बताया कि मंगलवार सुबह करीब साढ़े 8 बजे बगल के दुकानदार ने फोन कर जानकारी दी कि उनकी दुकान का शटर टूटा पड़ा है। मौके पर पहुंचने पर गल्ले से लगभग 6 हजार रुपए गायब मिले और दवाइयों का काफी सामान भी चोरी हो गया। इसी तरह, रिद्धि सिद्धि मेडिकल स्टोर के संचालक संजय ने बताया कि उनके पिता सुबह दुकान खोलने पहुंचे तो शटर उखड़ा हुआ मिला। अंदर जाने पर देखा कि गल्ले से 5 हजार रुपए नकद और कई दवाइयां गायब थीं। स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर में आए दिन हो रही चोरी की घटनाओं से दुकानदारों और निवासियों में भय का माहौल है। लोगों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि ऐसे गिरोहों को जल्द पकड़कर कड़ी कार्रवाई की जाए ताकि बाजार क्षेत्र में सुरक्षा का माहौल बहाल हो सके।

पीएचसी खोह दरीबा में स्वास्थ्य शिविर आयोजित, 75 ग्रामीणों ने कराई जांच

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा टहला

कस्बे के राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य आरोग्य केंद्र खोह दरीबा में मंगलवार को "स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान" के तहत एकदिवसीय स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। अस्पताल के प्रभारी चिकित्सक मनीष यादव एवं शिविर प्रभारी धर्मवीर ने बताया कि यह आयोजन जिला स्वास्थ्य समिति के निर्देशानुसार किया गया। शिविर में ब्लॉक राजगढ़ से आए विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं दीं। इनमें महिला गायनोलॉजिस्ट, ईएनटी, मनोरोग, हड्डी रोग, चर्म रोग तथा बाल रोग विशेषज्ञ शामिल रहे। शिविर में खोह दरीबा क्षेत्र से आए 75 ग्रामीणों ने विभिन्न स्वास्थ्य परीक्षण कराए। जांच के बाद जरूरतमंद मरीजों को इलाज संबंधी परामर्श और निःशुल्क औषधियां प्रदान की गईं। शासकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खोह दरीबा में ओपीडी और आईपीडी दोनों सुविधाएं संचालित हैं। साथ ही प्रसव संबंधी सेवाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। केंद्र पर प्रशिक्षण प्राप्त चिकित्सक और महिला नर्सिंगकर्मी नियमित रूप से तैनात हैं, जिससे ग्रामीणों को क्षेत्र में ही स्वास्थ्य सुविधाएं सुलभ हो सकें।

एवलांन रॉयल पार्क सोसायटी RWA के खिलाफ सोसाइटी वासियो का अप्रस्ताव नोटिस

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

एवलान रॉयल पार्क सोसायटी वासियों ने गत 21 सितंबर 2025 को एक आवश्यक मीटिंग रखी जिसमे ₹ड्ड को दिये नोटिस पर चर्चा एवं हाल ही 17 सितंबर को ₹ड्ड की तरफ से सोसायटी वासियो की बिजली आपूर्ति बिना किसी पूर्व सूचना के काट दी गई थी जिससे सोसायटी वसोयो को परेशानी का सामना करना पड़ा था। मीटिंग में सोसायटी वासीयो ने सर्वसम्मति से मिलकर फैसला लिया और ₹ड्ड के खिलाफ अप्रस्ताव नोटिश पास किया जिसमे सेकड़ो सोसायटी वासियो ने हस्ताक्षर कर ₹ड्ड के खिलाफ अप्रस्ताव नोटिस पास किया। सोसायटी वासियो ने नई कार्यकारिणी के गढ़न की मांग की।

दशहरे पर निकलेगी शोभायात्रा, 65 फीट ऊंचे रावण का दहन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

पुरुषार्थी समिति जिला अलवर की ओर से इस बार दशहरा पर्व पर 65 फुट ऊंचे रावण का दहन किया जाएगा। परंपरा के अनुसार भगवान राम की शोभायात्रा अशोका टॉकीज से प्रारंभ होकर शहर के मुख्य बाजारों से गुजरते हुए शाम 6 बजे दशहरा मैदान पहुंचेगी। इसके बाद रावण, कुंभकरण और मेघनाथ के पुतलों का दहन होगा। समिति अध्यक्ष कुलदीप कालरा ने बताया कि 1948 से पुरुषार्थी समाज द्वारा यह आयोजन लगातार किया जा रहा है। इस बार भी कार्यक्रम दशहरा मैदान, जेल चौराहे के पास आयोजित होगा। रावण दहन से पूर्व गाजियाबाद से आई टीम आतिशबाजी का प्रदर्शन करेगी, जो कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहेगा। कार्यक्रम संयोजक राकेश अरोड़ा ने बताया कि विजयदशमी उत्सव की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। आयोजन में जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, नगर विकास न्यास और नगर निगम का सहयोग रहेगा। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव मुख्य अतिथि होंगे, जबकि वन राज्य मंत्री संजय शर्मा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली समेत कई जनप्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे।

शिक्षकों की कमी से जूझ रहे हैं संस्कृत विद्यालय, नव क्रमोन्नत विद्यालयों में पद आवंटन की मांग

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा राजगढ़

जहां राज्य सरकार करोड़ों रुपए खर्च करके विद्यालयों में नामांकन वृद्धि का प्रयास कर रही हैं। अनेक सरकारी योजनाएं चलाकर बच्चों को राजकीय विद्यालय में जोड़ने का प्रयास कर रही है। वहीं एक तरफ संस्कृत शिक्षा के विद्यालयों में अध्यापकों की कमी के चलते बच्चे टीसी लेकर जा रहे हैं। उपखंड क्षेत्र के राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय नीमला में कुल 11 पद स्वीकृत हैं जिसकी एवज में मात्र एक अध्यापिका ही कार्यरत हैं तथा एक अध्यापक को 15 दिन पहले प्रतिनियुक्ति पर लगाया गया है। विद्यालय 1 से बारहवीं तक संचालित है। जिसमें 42 विद्यार्थियों का नामांकन है। वहीं राउप्रावि संस्कृत नारायणपुर में 5 पद स्वीकृत हैं। वहां 1 अध्यापिका कार्यरत हैं तथा एक प्रतिनियुक्ति पर है। जुलाई में 34 का नामांकन तथा अध्यापकों की कमी के चलते विद्यालय में 26 का नामांकन रह गया। अध्यापकों की कमी के चलते बच्चे टीसी कटवा रहे हैं। यही हाल राउप्रावि संस्कृत विद्यालय मुरलीपुरा का है जहां 5 पद स्वीकृत हैं जिसके विरुद्ध में 2 ही अध्यापक कार्यरत हैं। वहीं राउप्रावि संस्कृत बैरेर में एक अध्यापक ही कार्यरत हैं।

नव क्रमोन्नत संस्कृत विद्यालयों में नहीं हुआ पदों का आवंटन

संस्कृत शिक्षा विभाग में बजट घोषणा के अनुसार प्रवेशिका से वरिष्ठ उपाध्याय में नव क्रमोन्नत 224 प्रवेशिका संस्कृत विद्यालयों का वरिष्ठ उपाध्याय में क्रमोन्नत की क्रियान्विति में माह अप्रैल में संस्कृत शिक्षा विभाग ने नव क्रमोन्नत 224 वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालयों में प्राचार्य एक, स्कूल व्याख्याता तीन एवं अध्यापक तृतीय श्रेणी एक पद सृजन की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति आदेश जारी किया गया था। लेकिन अभी तक विद्यालयों में पदों का आवंटन नहीं हुआ है। पदों का आवंटन नहीं होने से विद्यालयों में शैक्षणिक व अन्य व्यवस्थाएं प्रभावित हो रही है। अध्यापकों की कमी के कारण नामांकन लगातार घटता जा रहा है। संस्कृत शिक्षा विभाग के कार्मिकों ने मुख्यमंत्री व शिक्षामंत्री को पत्र लिखकर शीघ्र विद्यालयों में पद आवंटन करवाने की मांग की है।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत सीजीएसटी अलवर ने किया नुक्कड़ नाटक का आयोजन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

केंद्रीय माल एवं सेवाकर आयुक्तालय, अलवर द्वारा देशभर में 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक चल रहे "स्वच्छता ही सेवा - स्वच्छोत्सव" अभियान के अंतर्गत सोमवार को जीएसटी चौक पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अधिकारियों, कर्मचारियों और स्थानीय नागरिकों की भारी संख्या में मौजूदगी रही। आयुक्त सुमित यादव ने बताया कि नाटक का उद्देश्य आमजन में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ ही हाल ही में लागू किए गए "जीएसटी 2.0 सुधारों" को सरल और रोचक तरीके से समझाना है। उन्होंने कहा कि आवश्यक एवं दैनिक उपभोग की वस्तुओं पर जीएसटी दरों में कमी से उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलेगा और व्यापार को प्रोत्साहन मिलेगा। आयुक्तालय की ओर से बताया गया कि स्वच्छता अभियान के साथ-साथ सतर्कता जागरूकता और राजभाषा पखवाड़े से जुड़ी गतिविधियाँ भी चल रही हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से ईमानदारी, पारदर्शिता और नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने के साथ हिंदी भाषा में अधिक कार्य करने को प्रोत्साहित किया जा रहा है। नुक्कड़ नाटक देखने पहुंचे नागरिकों ने इसे जागरूकता का प्रभावी माध्यम बताया और स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प लिया। आयुक्त यादव ने कहा कि विभाग कर सरलीकरण और पारदर्शी सेवाएँ प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और ऐसे आयोजनों से सामाजिक सरोकार भी मजबूत होते हैं।

सरिस्का में 2 से 8 अक्टूबर तक मनाया जाएगा वन्य प्राणी सप्ताह

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

सरिस्का बाघ परियोजना में वन्य प्राणियों के संरक्षण और सुरक्षा को लेकर विशेष जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत 2 अक्टूबर से 8 अक्टूबर तक वन्य प्राणी सप्ताह का आयोजन होगा। सरिस्का डीएफओ अभिमन्यु सहारण ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत 2 अक्टूबर को सरिस्का फॉरेस्ट गेस्ट हाउस से होगी, जबकि अंतिम दिन 8 अक्टूबर को इसी स्थान पर विशेष आयोजन के साथ सप्ताह का समापन किया जाएगा। आयोजन के दौरान हर दिन अलग-अलग थीम पर गतिविधियां होंगी। 3 अक्टूबर को सभी रेंज कार्यालयों में विशेष कार्यक्रम होंगे। 4 अक्टूबर को थानागाजी में सामुदायिक भागीदारी पर आधारित आयोजन होगा। 5 अक्टूबर को सरिस्का रेंज से सटे गांवों में स्थानीय लोगों के बीच जागरूकता फैलाने के लिए आउटरिच कार्यक्रम रखे जाएंगे। 6 अक्टूबर को विद्यालयों में विद्यार्थियों को वन्यजीव संरक्षण से जोड़ने के लिए विशेष आयोजन होंगे। 7 अक्टूबर को सरिस्का कैंपस में नागरिक विज्ञान और भागीदारी विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। सरिस्का सीसीएफ संग्राम सिंह कटियार ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य आम जनता और विद्यार्थियों को वन्यजीवों के महत्व तथा उनके संरक्षण के प्रति जागरूक करना है। इसके लिए स्कूली बच्चों में पोस्टकार्ड अभियान चलाया जाएगा, वहीं सरकारी विद्यालयों में पेंटिंग प्रतियोगिताएं आयोजित कर बच्चों को चित्रों के माध्यम से संदेश देने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। सप्ताहभर चलने वाला यह अभियान न केवल पर्यावरण और जैव विविधता की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण रहेगा, बल्कि स्थानीय लोगों और बच्चों को प्रकृति से जोड़ने का भी माध्यम बनेगा। सरिस्का प्रशासन का मानना है कि इस तरह की पहल से वन्य प्राणियों की सुरक्षा के लिए समाज में साझा जिम्मेदारी की भावना विकसित होगी।

ऑपरेशन साईबर संग्राम

अलवर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, साईबर ठगों को म्युल अकाउंट देने वाले 3 गिरफ्तार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

जिले में चल रहे विशेष अभियान ऑपरेशन साईबर संग्राम के तहत अलवर पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने तीन ऐसे युवकों को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने साइबर ठगों को अपने बैंक खाते उपलब्ध कराए थे। इन खातों से अब तक 28 लाख 52 हजार का अवैध लेनदेन सामने आया है। इस ठगी के जाल में राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र के लोग फंसे हैं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कांबले शरण गोपीनाथ और डॉ. प्रियंका के सुपरविजन में थाना प्रतापगढ़, बड़ौदामेव और विजय मंदिर की संयुक्त पुलिस टीमों ने दबिश देकर कार्रवाई की। प्रतापगढ़ थाना पुलिस ने गांव पड़ाक छापली से 21 वर्षीय रवि कुमार मीना को पकड़ा, जिसके खाते से 17 लाख का लेनदेन हुआ था। विजय मंदिर थाना पुलिस ने ग्राम कस्बा डेहरा निवासी 21 वर्षीय शिव कुमार प्रजापत को गिरफ्तार किया, जिसके खाते में 10 लाख 99 हजार का अवैध लेनदेन सामने आया। वहीं, बड़ौदामेव थाना पुलिस ने कस्बा बड़ौदा निवासी 40 वर्षीय ताहिर मेव को गिरफ्तार किया, जिसके खाते में 53 हजार की राशि ट्रांसफर हुई थी। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह राशि विभिन्न राज्यों से ठगे गए पैसों की है। गिरफ्तार आरोपियों ने साइबर ठगों को अपने बैंक खाते इस्तेमाल करने की अनुमति दी थी। इन खातों के जरिए अपराधियों ने लोगों को धोखा देकर रकम इकट्ठी की और बाद में नकदी के रूप में निकाल लिया।

क्या होते हैं म्युल अकाउंट

म्युल अकाउंट ऐसे बैंक खाते होते हैं, जिन्हें साइबर ठग ठगी से प्राप्त धनराशि को छिपाने और स्थानांतरित करने के लिए उपयोग करते हैं। अधिकतर मामलों में खाते धारक लालच या झांसे में आकर अपने खाते ठगों को सौंप देते हैं। साइबर अपराधी इन्हीं खातों का सहारा लेकर धोखाधड़ी की रकम को आगे बढ़ाते हैं। जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी के निर्देश पर चलाए जा रहे इस अभियान का उद्देश्य साइबर ठगी के नेटवर्क को जड़ से खत्म करना है। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित थानों में मुकदमे दर्ज कर लिए हैं। साथ ही यह जांच भी तेज कर दी गई है कि इन आरोपियों के संपर्क में कौन-कौन से बड़े साइबर अपराधी शामिल हैं। पुलिस का मानना है कि इस कार्रवाई से साइबर अपराधियों का नेटवर्क कमजोर होगा और आमजन को ऑनलाइन ठगी से बचाने में मदद मिलेगी। फिलहाल पुलिस आगे की कड़ियों को जोड़कर इस पूरे रैकेट के मुख्य सरगनाओं तक पहुंचने की कोशिश कर रही है।

संघ ने मनाया विजयादशमी उत्सव, पंच परिवर्तन पर दिया संदेश

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर नगर की विभिन्न बस्तियों में विजयादशमी उत्सव मनाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में मंगलवार को भूरा सिद्ध बस्ती का उत्सव न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी स्थित ईश्वर धाम मंदिर सभागार में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में भारतीय वायु सेना के सेवानिवृत्त अधिकारी दिलीप कुमार दुबे मुख्य अतिथि रहे। विद्या भारती जयपुर प्रांत के सह मंत्री विजय सिंह फौजदार ने बौद्धिक कर्ता की भूमिका निभाई। उन्होंने 1925 से संघ की यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि इस वर्ष संघ विशेष रूप से "पंच परिवर्तन" पर जोर दे रहा है। इसमें कुटुंब प्रबोधन, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, नागरिक कर्तव्य और स्वदेशी जागरण को प्रमुख रूप से शामिल किया गया है। अध्यक्षता जिला संघचालक अशोक मित्तल ने की, जबकि संचालन दिनेश शर्मा ने किया। इस मौके पर कन्हैया लाल शर्मा ने प्रार्थना, लविश कौशिक ने अमृत वचन और मनोज मिश्रा ने काव्य गीत प्रस्तुत किया। फौजदार ने युवाओं से स्वदेशी उत्पादों के प्रयोग, परिवार में संस्कारों की सुरक्षा और पर्यावरण बचाने को जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यदि समाज इन पांच क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव लाता है तो आने वाला समय और भी उज्ज्वल होगा।

जैतारण से मुख्यमंत्री ने किए विभिन्न कार्यो का वर्चुअल शिलान्यास एवं लोकार्पण

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा खैरथल-तिजारा,

सेवा पखवाड़ा-2025 के तहत मंगलवार को माननीय मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के मुख्य आतिथ्य में ब्यावर के जैतारण में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिले में कलेक्ट्रेट के वीसी कक्ष से राष्ट्रीय परिषद सदस्य एवं पूर्व विधायक रामहेत सिंह यादव, जिला कलेक्टर किशोर कुमार, अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट, जिला अध्यक्ष महासिंह चौधरी, सहित विभिन्न अधिकारियों व कार्मिकों ने राज्य स्तरीय कार्यक्रम का लाइव प्रसारण देखा। समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि राज्य स्तरीय कार्यक्रम से राजस्थान में विभिन्न कार्यों का वर्चुअल माध्यम से शिलान्यास एवं लोकार्पण किया गया।

पीएचसी कारोली टपूकड़ा नेशनल अवार्ड से सर्टिफाइड

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा टपूकड़ा

पीएचसी कारोली टपूकड़ा सरकारी अस्पताल पूरे खैरथल तिजारा जिले में मात्र एक सरकारी अस्पताल है। जो की राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन कार्यक्रम में नेशनल अवार्ड से सर्टिफाइड हुई है।

क्या है प्रकिया

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कारौली राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन कार्यक्रम हत्त्र भारत सरकार द्वारा मापदंडों को नेशनल टीम द्वारा चेक किया जाता है जिसको हर डिपार्मेंट वाइज पास करना होता है। 6 डिपार्टमेंट पीएचसी में होते हैं जिसमें पीएचसी के सभी प्रकार के मापदंड जैसे साफ सफाई, स्टाफ की गुणवत्ता, क्वालिटी एवं सभी रिपोर्ट एवं अन्य तथ्यों के आधार पर राष्ट्रीय टीम सर्टिफाई करती है ।पहले जिला स्तरीय टीम क्वालीफाई करनी होती है उसके बाद राज्य स्तरीय टीम आती है अगर राज्य स्तरीय टीम पास कर जाती है। तो उसके बाद नेशनल टीम भारत सरकार द्वारा आती है। पीएचसी कारोली टपूकड़ा नेशनल अवार्ड से सर्टिफाइड के बाद प्रभारी डॉ. जितेंद्र यादव की सराहना की जा रही है।

हींगवाहेडा गांव में दूध व्यापारी पर गोलीबारी, आपसी रंजिश में दो गोलियां मारीं, हालत गंभीर

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा तिजारा

खैरथल-तिजारा जिले के तिजारा थाना क्षेत्र के हींगवाहेड़ा गांव में मंगलवार देर शाम एक सनसनीखेज गोलीकांड ने क्षेत्र में हड़कंप मचा दिया। आपसी रंजिश के चलते एक दूध व्यापारी पर फायरिंग की गई, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसकी नाजुक हालत को देखते हुए उसे अलवर रेफर कर दिया गया। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया, और पुलिस ने उसकी तलाश में व्यापक अभियान शुरू कर दिया है।

घटना का विवरण

पुलिस के अनुसार, मंगलवार शाम करीब 6.30 बजे हींगवाहेड़ा गांव में यह वारदात हुई। असलीमपुर निवासी दिनेश (26 वर्ष, पुत्र सूरजभान), जो पेशे से दूध व्यापारी है, पर माजरी गुर्जर गांव के भिंडा (26 वर्ष) ने गोली चला दी। दिनेश को दो गोलियां लगीं–एक पेट में और दूसरी दाहिने कंधे के पास। गोलियां लगते ही दिनेश खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर पड़ा। स्थानीय लोगों ने तुरंत उसे तिजारा के सरकारी अस्पताल पहुंचाया, लेकिन उसकी गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे अलवर के अस्पताल में रेफर कर दिया। सूत्रों के अनुसार, दिनेश की हालत नाजुक बनी हुई है, और डॉक्टर उसकी जान बचाने की हरसंभव कोशिश कर रहे हैं।

पुलिस की कार्रवाई

घटना की सूचना मिलते ही भिवाड़ी पुलिस अधीक्षक प्रकाश किरण, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अतूल साहू, डीएसपी शिवराज सिंह तिजारा थाना प्रभारी (एसएचओ) वीरेंद्र पाल मौके पर पहुंचे। डीएसपी शिवराज सिंह ने बताया कि शाम 6.30 बजे सूचना मिलने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई शुरू की। एक टीम घायल दिनेश से मिलने अस्पताल पहुंची, जहां उसने बयान में आरोपी भिंडा का नाम लिया। दूसरी टीम ने घटनास्थल का मुआयना किया और साक्ष्य जुटाने शुरू किए। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि यह गोलीकांड आपसी रंजिश का परिणाम है, लेकिन रंजिश की मुख्य वजह अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है। डीएसपी ने कहा, "पुलिस ने कई टीमें गठित की हैं, और आरोपी की गिरफ्तारी जल्द की जाएगी।"

गांव में तनाव का माहौल

इस गोलीकांड के बाद हींगवाहेड़ा और आसपास के गांवों में तनाव का माहौल है। स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई है, और कई ग्रामीणों ने पुलिस से अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने क्षेत्र में अतिरिक्त बल तैनात कर स्थिति को नियंत्रण में रखा है। डीएसपी शिवराज सिंह ने आश्वासन दिया कि मामले की गहन जांच की जा रही है, और दोषी को बख्शा नहीं जाएगा दिनेश के परिवार वालों का कहना है कि वह एक मेहनती और शांत स्वभाव का व्यक्ति था, जो अपने दूध के कारोबार में व्यस्त रहता था। इस वारदात ने उसके परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है।आगे की जांच पुलिस ने बताया कि आरोपी भिंडा की तलाश के लिए छापेमारी शुरू कर दी गई है। संदिग्ध ठिकानों पर दबिश दी जा रही है, और आसपास के क्षेत्रों में नाकाबंदी भी की गई है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही इस मामले में ठोस कार्रवाई होगी, और अपराध के पीछे की पूरी सच्चाई सामने लाई जाएगी। यह घटना न केवल आपसी रंजिश की गंभीरता को दर्शाती है, बल्कि क्षेत्र में बढ़ते अपराध और हथियारों के उपयोग पर भी सवाल उठाती है। स्थानीय लोग प्रशासन से ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने की मांग कर रहे हैं। पुलिस और प्रशासन की जिम्मेदारी है कि वे इस मामले में त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई करें ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिले और क्षेत्र में शांति बहाल हो।

कंपनी बाग में कॉमर्शियल गतिविधियां रोकने की मांग

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

कंपनी बाग विकास समिति ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर पार्क परिसर में हो रही कॉमर्शियल गतिविधियों को रोकने की मांग की है। समिति अध्यक्ष श्रवण कुमार महावर ने बताया कि मंगलवार को बाग में डांडिया कार्यक्रम हुआ, जो पूरी तरह अनुचित है। उन्होंने कहा कि यदि इस तरह के आयोजनों को अनुमति दी जाने लगी तो भविष्य में शुल्क जमा कर निरंतर व्यावसायिक कार्यक्रम होने लगेंगे। इससे न केवल बाग की हरियाली को नुकसान पहुंचेगा, बल्कि इसका शांत वातावरण भी प्रभावित होगा। समिति ने मांग की कि कंपनी बाग को केवल हरियाली संरक्षण और नागरिकों की दिनचर्या के लिए सुरक्षित रखा जाए। ज्ञापन में चेतावनी दी गई कि यदि इस पर रोक नहीं लगाई गई तो समिति आंदोलन का रास्ता अपनाएगी।

भिवाड़ी इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल एसोसिएशन (BIIA) की वार्षिक आम सभा में खुशखेड़ा चैप्टर का गठन,

डी.के. यादव बने अध्यक्ष

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

भिवाड़ी इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल एसोसिएशन (BIIA) की वार्षिक आम सभा (AGM) संघ भवन, कहरानी में सफलतापूर्वक आयोजित की गई। सभा की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष प्रवीण लांम्बा ने की तथा इसमें संघ के संरक्षकगण, पदाधिकारी, कार्यकारिणी समिति सदस्य एवं अनेक उद्योग प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभा के दौरान पिछले वर्ष की गतिविधियों और उपलब्धियों की समीक्षा की गई। माननीय सचिव हरीश गौड़ ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, जबकि माननीय कोषाध्यक्ष मुकेश शर्मा ने वित्तीय विवरण और लेखा-जोखा सदन के समक्ष रखा। सदन ने आय-व्यय विवरण व लेखा परीक्षण रिपोर्ट को अनुमोदित किया तथा आगामी वर्ष हेतु लेखा परीक्षकों की नियुक्ति भी की। इस अवसर पर संघ ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए खुशखेड़ा चैप्टर के गठन की घोषणा की। इस चैप्टर के अध्यक्ष के रूप में डी.के. यादव को नियुक्त किया गया। यह निर्णय इस उद्देश्य से लिया गया कि स्थानीय स्तर पर उद्योगों की समस्याओं को शीघ्रता से पहचाना और सुलझाया जा सके। नया चैप्टर आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों - खुशखेड़ा, करौली, सालारपुर एवं टपूकड़ा - के उद्योगों को प्रत्यक्ष लाभ पहुँचाएगा। सभा में संघ के माननीय संरक्षकगण - हरि राम शर्मा, ओ.पी. अग्रवाल, राम प्रकाश गर्ग और सतिंदर सिंह चौहान - उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त संस्थापक सदस्य सुरेश अग्रवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष बी.एम. अग्रवाल तथा उपाध्यक्ष आर.के. भारद्वाज, संजय खन्ना और योगराज सिंह ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इन सभी के साथ अनेक उद्योग प्रतिनिधियों ने भाग लेकर सभा को सार्थक और प्रभावी बनाया। सभा में उपस्थित पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने डी.के. यादव को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी और आशा व्यक्त की कि उनके नेतृत्व में खुशखेड़ा चैप्टर उद्योग जगत की समस्याओं के समाधान में सक्रिय और प्रभावी भूमिका निभाएगा। अध्यक्ष प्रवीण लांम्बा ने कहा कि यह पहल भिवाड़ी औद्योगिक क्षेत्र के लिए एक नया अध्याय होगी और संघ को क्षेत्रीय स्तर पर और अधिक मजबूत बनाएगी।

तिजारा विधायक रामलीला मंचन में पधारे, कहा राम हैं आदर्श हमारे

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा तिजारा

तिजारा के रामलीला मैदान में आयोजित रामलीला मंचन में तिजारा विधायक महंत बालक नाथ योगी ने मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए कहा कि रामलीला मंचन का सही मायने में अर्थ है कि राम के आदर्शों को अपने जीवन में उतारें और हम कल्याण के पथ पर आगे बढ़े। रामलीला कमेटी अध्यक्ष मंगतूराम सैनी , संचालक इंदर सिंह दहिया व महावीर प्रसाद द्वारा विधायक का शॉल ओढ़ाकर कर व स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मान किया गया। विधायक द्वारा रामायण वाचक टेकचंद शर्मा को शॉल ओढ़ाकर कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष कपिल गुप्ता , महंत जस्सू महाराज , वनय सिंह विधूड़ी , कोटकासिम नगर पालिका के अध्यक्ष ओमप्रकाश सैनी , श्री श्याम मंदिर अध्यक्ष अभय सिंह यादव , संजय अग्रवाल , पूर्व पार्षद मुकेश सैनी अतिथि के रूप में पधारे जिनका कमेटी की और से स्वागत किया गया। सार्वजनिक श्री रामलीला कमेटी द्वारा आयोजित रामलीला मंचन में सर्वप्रथम भगवान श्री राम की आरती की गई उसके बाद लक्ष्मण शक्ति रामलीला मंचन में मेघनाथ ने लक्ष्मण को ब्रह्मास्त्र से घायल कर दिया तथा सुषैन वैध के बताने पर हनुमान जी द्वारा संजीवनी बूंटी लाकर लक्ष्मण के प्राण बचाए गए। कलाकारों ने अपनी भूमिका के अनुरूप अभिनय कर रामलीला मंचन का बेहतरीन प्रदर्शन किया। इस अवसर पर अशोक सैनी , अमित राजोरिया , राजू आडवानी , हिमांशु कटारिया , राहुल , जसवंत सैनी , डॉक्टर ठाकुर सिंह पालीवाल , जीतेंद्र जीतू, नवल मिलकपुरिया आदि लोग मौजूद रहे। मंच संचालन उग्रसेन सैनी ने किया।

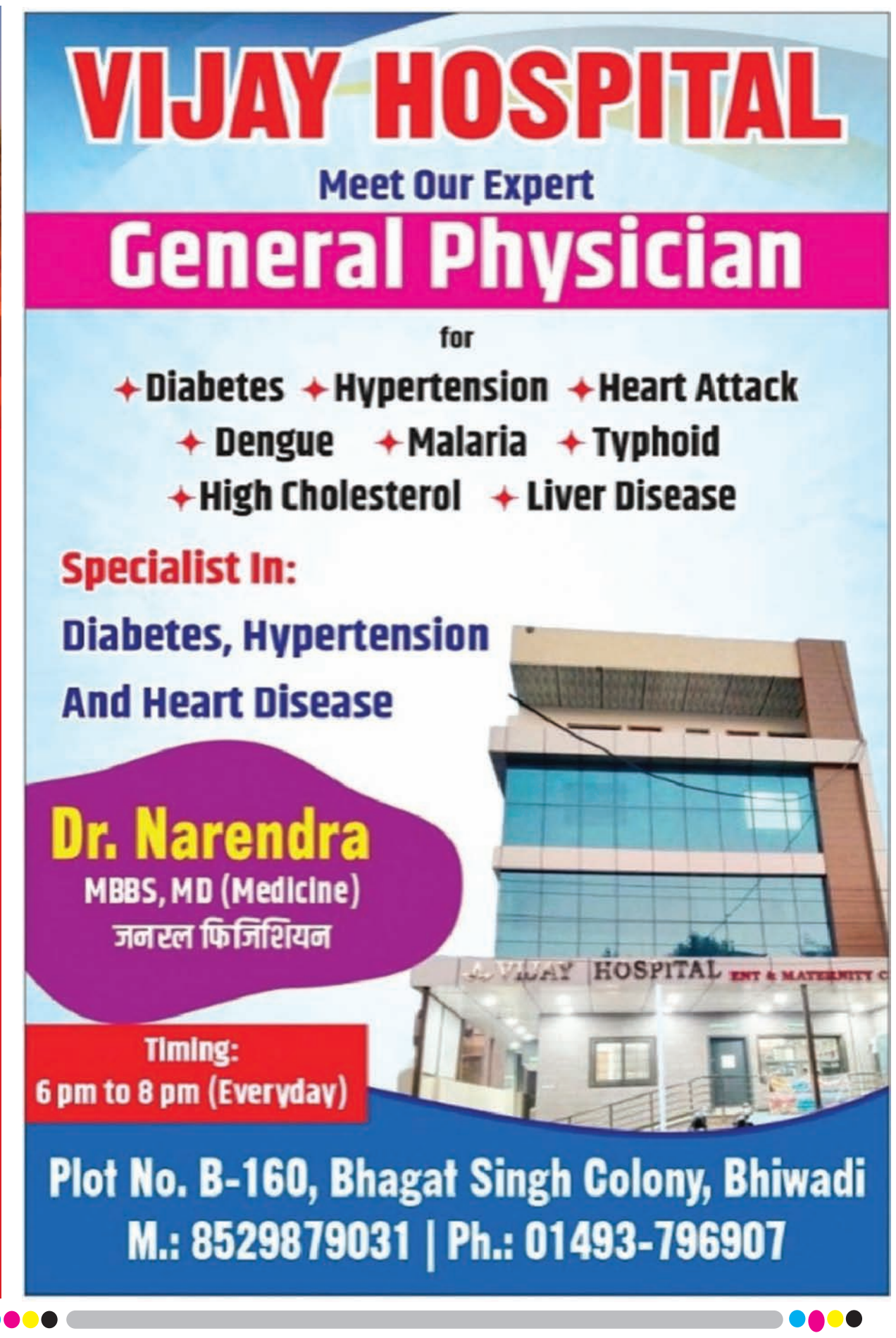

वृद्ध बोझ नहीं, बल्कि संस्कृति, परंपरा और मूल्यों के संरक्षक हैं

ललित गर्ग

अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस की शुरूआत 1991 में हुई थी और इसका उद्देश्य बढ़ती उम्र की आबादी के अवसरों और चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाना तथा वृद्धजनों के अधिकारों और योगदान को पहचानना है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित इस दिवस पर वृद्धजनों को समर्थन देने वाली प्रणालियों को मजबूत करने का आह्वान किया जाता है और उनके मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य देखभाल के लिए एकीकृत दृष्टिकोण को प्रोत्साहित किया जाता है।

संयुक्त राष्ट्र संघ ने 1 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के रूप में घोषित किया है। इस दिवस का उद्देश्य वृद्धों के अधिकारों, उनकी गरिमा और उनके योगदान को रेखांकित करना है। यह दिन हमें यह सोचने को विवश करता है कि जीवन के इस अंतिम पड़ाव में, जिसे कभी सम्मान और अनुभव का प्रतीक माना जाता था, आज वह उपेक्षा, अकेलेपन और असुरक्षा का पर्याय क्यों बन गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार वर्ष 2030 तक 60 वर्ष से अधिक आयु के लोग पूरी दुनिया में 1.4 अरब से अधिक हो जाएंगे और 2050 तक यह संख्या दोगुनी होकर लगभग 2.1 अरब तक पहुँच जाएगी। विकसित देशों में वृद्धजन आबादी का चौथाई हिस्सा बन चुके हैं, वहीं विकासशील देशों में भी उनकी संख्या तेजी से बढ़ रही है। लेकिन विडंबना यह है कि इस बढ़ती जनसंख्या के साथ उनकी सुरक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक भागीदारी की चुनौतियां भी बढ़ रही हैं। यूरोप और अमेरिका जैसे देशों में वृद्धजन पेंशन और हेल्थकेयर से तो सुरक्षित हैं, परंतु वहाँ अकेलेपन और मानसिक अवसाद की समस्या विकराल है। एशिया और अफ्रीका में, जहां परिवार व्यवस्था मजबूत मानी जाती थी, अब संयुक्त परिवार टूटने से वृद्धजन आर्थिक व सामाजिक असुरक्षा से जूझ रहे हैं।

अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस की शुरूआत 1991 में हुई थी और इसका उद्देश्य बढ़ती उम्र की आबादी के अवसरों और चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाना तथा वृद्धजनों के अधिकारों और योगदान को पहचानना है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित इस दिवस पर वृद्धजनों को समर्थन देने वाली प्रणालियों को मजबूत करने का आ ान किया जाता है और उनके मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य देखभाल के लिए एकीकृत दृष्टिकोण को प्रोत्साहित किया जाता है। समाज में उनके बहुमूल्य योगदान को मान्यता देना, उनके अधिकारों की रक्षा करना, वृद्धजनों को स्वास्थ्य सेवाएं, देखभाल, सामाजिक सहायता प्रदान करने वाली प्रणालियों को मजबूत करना, वृद्धजनों को वैश्विक विकास प्रयासों में शामिल करना और शहरी वातावरण को उनके लिए अधिक समावेशी बनाना आदि इस दिवस को मनाने के उद्देश्य हैं। इस दिवस को मनाते हुए वृद्ध व्यक्तियों की डिजिटल प्रौद्योगिकियों तक समान पहुँच प्रदान करने के महत्व पर जोर देना और यह सुनि त करना कि सभी आयु वर्गों के लिए समानता को बढ़ावा दिया जाए और वृद्ध व्यक्तियों के मानवाधिकारों का पालन हो आदि बातों पर विशेष बल दिया जाता है।

इस दिवस की 2025 की थीम समावेशी भविष्य के लिए

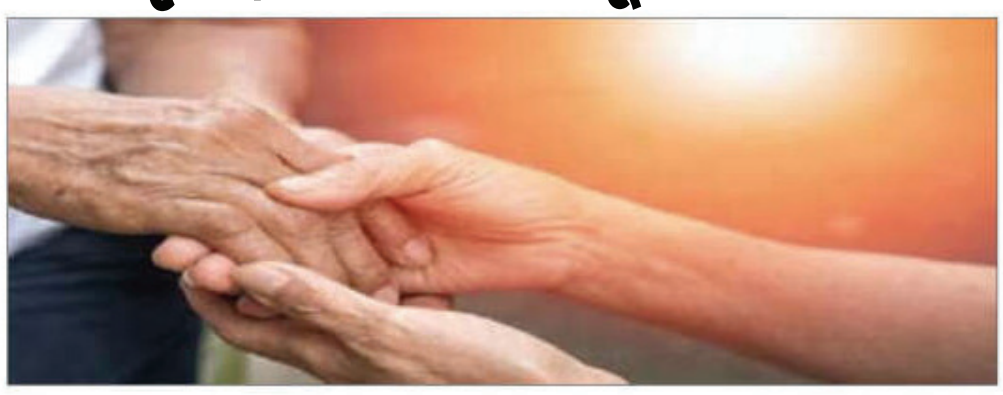

वृद्धजनों की आवाज को सशक्त बनाना है, जो वृद्धजनों की आवाज, अनुभव और ज्ञान को पहचानने तथा उनके अनुभवों के आधार पर समावेशी समाजों के निर्माण पर जोर देती है। यह थीम इस बात पर प्रकाश डालती है कि वृद्धजन लचीले और समतामूलक समाज बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्नत एवं आदर्श समाज के निर्माण में वृद्धजनों की आवाज, उनके दृष्टिकोण और अनुभव को विशेष महत्व है। वृद्धावस्था में कठिनाइयां अनेक रूपों में सामने आती हैं। स्वास्थ्य की दृष्टि से हृदय रोग, मधुमेह, जोड़ों के दर्द और डिमेंशिया जैसी बीमारियाँ उन्हें घेरे रहती हैं, परंतु चिकित्सा सुविधाओं तक उनकी पहुंच सीमित है। आर्थिक दृष्टि से पेंशन व सामाजिक सुरक्षा योजनाएं हर वृद्धजन तक नहीं पहुँचतीं और ग्रामीण क्षेत्रों में यह स्थिति और भी दयनीय है। सामाजिक स्तर पर आधुनिक जीवन की दौड़ में वृद्धजन अकेलेपन, उदासी और उपेक्षा से पीड़ित हैं। मानसिक दृष्टि से आत्मसम्मान को ठेस, भूमिका से वंचित होना और बेकारपन का एहसास उन्हें भीतर तक तोड़ देता है।

भारत में वृद्धों की स्थिति अधिक चिन्ताजनक है। जबकि वृद्धजन भारतीय समाज की धरोहर मानी जाती रही हैं, उन्हें अनुभव और ज्ञान का भंडार मानते हैं। इसके बावजूद यदि हम उन्हें उपेक्षित करेंगे तो यह केवल अन्याय ही नहीं, बल्कि सभ्यता एवं संस्कृति की पराजय होगी। वृद्धजन केवल जीवित बोझ नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और मूल्यों के संरक्षक हैं। उनका सम्मान करना न केवल हमारा नैतिक कर्तव्य है बल्कि एक बेहतर, संवेदनशील और संतुलित समाज के निर्माण की अनिवार्यता है। भारत जैसे विकसित देश के नागरिकों की औसत आयु 60 वर्ष से अधिक 65 हो रही है। जीवन प्रत्याशा में वृद्धि के कारण देश में वृद्धजन की संख्या बढ़ रही है, देश में 2011 में 10.38 करोड़ वरिष्ठ नागरिक थे, जिनके 2050 तक बढ़कर 30 करोड़ होने का अनुमान है। अनुमान है, कि 2050 तक हर चौथा भारतीय बुजुर्ग होगा। यह बात भारत के नीति आयोग ने कही है, इसी के कारण बुजुर्गों की समस्याएं बढ़ती जा रही हैं।

भारत में परंपरागत भारतीय परिवार व्यवस्था में वृद्धजनों को सम्मान, सुरक्षा और निर्णय लेने की अहम भूमिका प्राप्त थी। लेकिन आज शहरीकरण, परमाणु परिवार, प्रवास और उपभोक्तावादी सोच ने उनकी भूमिका को हाशिए पर पहुँचा दिया है। परिवार के भीतर उन्हें आर्थिक बोझ समझा जाने लगा है, पीढ़ीगत टकराव और मूल्यों में बदलाव ने दूरी बढ़ा दी है, नौकरी-पेशा बच्चों के व्यस्त जीवन में धैर्य और देखभाल की कमी स्पष्ट हो रही है और संपत्ति तथा अधिकारों को लेकर तनाव आम हो गया है। इसके परिणामस्वरूप वृद्धजन शारीरिक बीमारियों से जूझते हैं, पर पर्याप्त चिकित्सा नहीं मिलती। वे अकेलेपन और मानसिक अवसाद का शिकार होते हैं, उन्हें निर्णय लेने की प्रक्रिया से बाहर कर दिया जाता है और कभी-कभी घरेलू हिंसा और संपत्ति विवादों में भी उलझना पड़ता है।

प्रश्न है कि दुनिया में वृद्ध दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों हुई? क्यों वृद्धों की उपेक्षा एवं प्रताड़ना की स्थितियां बनी हुई है? चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि वृद्धों की उपेक्षा के इस गलत प्रवाह को रोके। क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल वृद्धों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है। वृद्धावस्था जीवन की सांझ है। वस्तुतः वर्तमान के भागदौड़, आपाधापी, अर्थ प्रधानता व नवीन चिन्तन तथा मान्यताओं के युग में जिन अनेक विकृतियों, विसंगतियों व प्रतिकूलताओं ने जन्म लिया है, उन्हीं में से एक है वृद्धों की उपेक्षा। वस्तुतः वृद्धावस्था तो वैसे भी अनेक शारीरिक व्याधियों, मानसिक तनावों और अन्यान्य व्यथाओं भरा जीवन होता है और अगर उस पर परिवार के सदस्य, विशेषतः युवा परिवार के बुजुर्गों/वृद्धों को अपमानित करें, उनका ध्यान न रखें या उन्हें मानसिक संताप पहुँचाएं, तो स्वाभाविक है कि वृद्ध के लिए वृद्धावस्था अभिशाप बन जाती है।

इन समस्याओं का समाधान केवल सरकारी योजनाओं से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए परिवार, समाज और सरकार-सभी स्तरों पर समन्वित प्रयास की आवश्यकता है। परिवार व्यवस्था का पुनर्जीवन जरूरी है, बच्चों में बचपन से ही सेवा, सहानुभूति और सम्मान की भावना विकसित की जाए। सामाजिक सुरक्षा के दायरे का विस्तार हो, पेंशन, स्वास्थ्य बीमा और वृद्धाश्रमों की गुणवत्ता में सुधार किया जाए। स्वास्थ्य सेवाओं में जेरियाट्रिक देखभाल को प्राथमिकता दी जाए, प्रत्येक नगर और गाँव में वृद्धजन के लिए स्वास्थ्य केंद्र स्थापित हों। मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जाए, अकेलेपन से लड़ने के लिए सामुदायिक केंद्र, क्लब और वृद्धजन मंच सक्रिय किए जाएँ। वृद्धजनों को डिजिटल तकनीक से जोड़कर उन्हें सामाजिक और पारिवारिक संवाद में सक्रिय बनाया जाए। माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण अधिनियम 2007 का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाए और समाज में उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता लाई जाए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जब नया भारत, विकसित भारत और समृद्ध भारत का निर्माण हो रहा है, तब यह आवश्यक है कि इस विकास यात्रा में वृद्धजन उपेक्षित न हों बल्कि उन्हें इसका सक्रिय भागीदार बनाया जाए। न्यूनतम पेंशन की गारंटी दे और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ हर वरिष्ठ नागरिक तक पहुंचाए। साथ ही डिजिटल इंडिया और स्किल इंडिया जैसी योजनाओं से वृद्धजनों को जोड़ा जाए ताकि वे सामाजिक संवाद और आर्थिक गतिविधियों में सक्रिय बने रहें। वृद्धाश्रमों और डे-केयर सेंटर्स की गुणवत्ता और संख्या बढ़ाई जाए, मानसिक स्वास्थ्य के लिए काउंसलिंग केंद्र स्थापित हों और सेवा भाव को बढ़ावा देने वाले राष्ट्रीय अभियान चलाए जाएँ। जब भारत आत्मनिर्भरता और वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है, तब उसके अनुभव-संपन्न वृद्धजन राष्ट्र की अमूल्य पूंजी हैं, इसलिए मोदी सरकार को उनके लिए संवेदनशील और समग्र कल्याणकारी नीतियां लागू करनी चाहिए।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

एशिया कप में विजयी 'तिलक'

कुछ महीनों पहले विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम ने टी-20 एशिया कप पर कब्जा जमाकर अपनी श्रेष्ठता एक बार फिर साबित कर दी है। यह सही है कि भारत को इस खिताबी जीत के लिए खासा संघर्ष करना पड़ा। पर हमेशा जीत के ही मायने होते हैं, इस लिहाज से देखें पाकिस्तान पर इस चैंपियनशिप में पहली जीत दर्ज करने के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहना कि दोनों देशों के बीच प्रतिद्वंद्विता रह कहां गई है, काफी हद तक सही लगती है। इसकी वजह भारत की पाकिस्तान पर लगातार आठवीं जीत दर्ज करना है। पिछले कुछ समय से क्रिकेट प्रेमी यह कहने लगे हैं कि भारत-पाकिस्तान मुकाबलों में अब पहले जैसा रोमांच नहीं रहा है। इस सोच की फाइनल मुकाबले ने एकदम से हवा निकाल दी है। इस मुकाबले में आखिरी ओवर फेंके जाने तक यह तय नहीं था कि कौन सी टीम विजेता बनेगी। भारतीय जीत की वजह खिलाड़ियों द्वारा महत्त्वपूर्ण मौकों पर धड़कनों को काबू में रखना है। इस खूबी की वजह से ही भारतीय टीम पाकिस्तान के 12.4 ओवर में एक विकेट पर 113 रन बनाने के बाद उन्हें 146 रनों पर समेंटने में सफल हो गई। वहीं अपने तीन प्रमुख विकेट गिर जाने पर लक्ष्य पाने में सफल हो गई। बात यहां तक भारत-पाक मुकाबलों के रोमांच की है, तो फाइनल देखने के बाद शायद ही कोई रोमांच में कमी आने की बात माने। आईसीसी इन दोनों देशों के मुकाबले के महत्त्व को जानता है, इसलिए ही वह इसका पूरा फायदा उठाने का प्रयास करता है। इस कारण ही भारत और पाकिस्तान को एक ग्रुप में रखकर दोनों के बीच तीन मुकाबले की संभावनाएं बनाई जाती हैं। इसकी वजह अधिक से अधिक कमाई करना होता है। अगर दोनों टीमों को अलग-अलग ग्रुपों में रखा जाता तो तमाम विवादों से बचा जा सकता था। वैसे भी तमाम विवाद खेल भावना को नहीं दशार्ते हैं। सही मायनों में तो खेल को राजनीति से बचाने का प्रयास किया जाना चाहिए। पर इसमें दोनों में से किसी की भी दिलचस्पी नजर नहीं आती है। दोनों टीमों में विवाद पहले भी रहे हैं। पर मैदान के बाहर सबकुछ भुला दिया जाता था। पर पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों के पहलगाम हमले के बाद से इस मामले में सबकुछ बदल गया है। पर इतना जरूर है कि मैदान में खिलाड़ियों के आपस में भिड़ने और कमेंट्री रूम में दोनों देशों के पूर्व क्रिकेटरों के सहज रहना थोड़ा अटपटा जरूर लगता है। इसलिए खेल भावना को बनाए रखना ही खेल के लिए हितकर लगता है।

अमेरिका की सरकार कंगाली की कगार पर

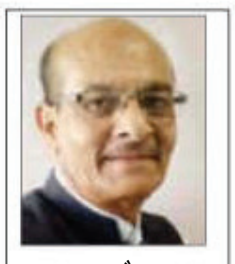

सनत जैन

पूंजीवादी व्यवस्था अपने चरम पर...

दुनिया की सबसे ताकतवर अर्थव्यवस्था वाली अमेरिकी सरकार कंगाली की कगार पर खड़ी हो गई है। यह स्थिति बजट विवाद या प्रशासनिक असफलता का नहीं है, बल्कि उस पूंजीवादी व्यवस्था की नंगी सच्चाई है, जिसने वहां की आम जनता का आर्थिक शोषण करते हुए कॉर्पोरेट घरानों की तिजोरियां भर दी हैं। आंकड़े बताते हैं, अमेरिकी सरकार दो ट्रिलियन डॉलर के घाटे में चल रही है। संसद में बजट पास न होने की स्थिति में शटडाउन का खतरा मंडराने लगा है। बजट की अनुमति नहीं मिलने पर सरकारी कर्मचारियों को वेतन नहीं मिलेगा। अमेरिका की पूरी अर्थ व्यवस्था ठप्प पड़ जाएगी। सरकार एक तरह से ऑक्सीजन पर निर्भर हो जाएगी। यह कंगाली अचानक नहीं आई है। डोनाल्ड ट्रंप और उनसे पहले की सरकारों ने कॉरपोरेट को लगातार टैक्स छूट, कॉर्पोरेट पर नरमी और जनता पर टैक्स का बोझ डालने वाली नीतियों को बढ़ावा दिया है। नतीजा यह हुआ कि तंबाकू, बैंकिंग, टेक और दवा कंपनियों जैसे सेक्टर में कार्पोरेट 75 से 80 प्रतिशत से ज्यादा का मुनाफा कमा रहे हैं। उत्पादन और खेती से जुडा वर्ग महज 1 8 प्रतिशत पर सिमट गया है। मेहनत करने वाले अमेरिकी नागरिक लगातार पिस रहे हैं। वहीं पूंजीपति वर्ग दिन-दूनी रात-चौगुनी कमाई कर रहा है। सबसे भयावह स्थिति हेल्थकेयर सेक्टर की है। अमेरिका में प्रति व्यक्ति करीब 11 लाख रुपए सालाना स्वास्थ्य पर खर्च होते हैं। जो जर्मनी, फ्रांस या कनाडा जैसे विकसित देशों से 2 से 3 गुना ज्यादा है। बावजूद इसके, जनता को गुणवत्तापूर्ण सुविधा नहीं मिल रही है। 20 से 40 गुना महंगी दवाएं अमेरिका में बिकती हैं। डॉक्टरों की फीस भी अमेरिका मे अन्य देशों की तुलना में सबसे ज्यादा है। अस्पतालों में भर्ती होना या सर्जरी कराना आम नागरिक के लिए बहुत मुश्किल हो गया है। उसे इलाज के लिए कर्ज लेना पड़ रहा है। जिसके कारण वह कर्ज के बोझ से दबा हुआ है। आम आदमी का यही पैसा फार्मा और बीमा कंपनियों की जेब में जा रहा है। जिसके कारण फार्मा और बीमा कंपनियों की कमाई लगातार बढ़ती जा रही है। यह दो सेक्टर अमेरिका की राजनीति को प्रभावित करते हैं। सरकार उनके अनुसार ही नीतियां बनाती है। कॉर्पोरेट का अमेरिका की राजनीति मे गहरा प्रभाव होने से आम आदमी की आर्थिक स्थिति दिन प्रतिदिन खराब होती चली जा रही है।

पूंजीवाद की यह बीमारी अमेरिका को अंदर से खोखला कर रही है। सरकार ने विदेशी सहायता घटाई है। पब्लिक सेक्टर की संपत्तियों को बेच दिया है। स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में सरकार लगातार कटौती कर रही है। इसके बाद भी सरकार का घाटा कम होने के स्थान पर बढ़ता ही जा रहा है। इसकी वजह साफ है, अमेरिका में कॉर्पोरेट के मुनाफे पर कोई अंकुश नहीं है। बैंकिंग सेक्टर 99 प्रतिशत मार्जिन से कमाई कर रहा है। टैक्स बोझ केवल आम नागरिकों पर है। अमेरिका की सरकार कॉरपोरेट को टैक्स छूट के साथ-साथ हर सुविधा दे रही है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आयात पर टैरिफ और अप्रत्यक्ष टैक्स बढ़ाकर जनता की जेब से वसूली कर रहे हैं। वहीं डोनाल्ड ट्रंप की सरकार कार्पोरेट जगत के अरबों खरबों की कॉर्पोरेट कमाई पर चुप्पी साध रखी है, जिससे अमेरिका की जनता का गुस्सा बढ़ता जा रहा है। अमेरिका का यह संकट दुनिया के लिए एक बडी चेतावनी है। भारत सहित दुनिया के तमाम देशों को यह समझना होगा। अगर अर्थव्यवस्था को पूरी तरह से बाजार को कॉर्पोरेट के हवाले कर दिया गया तो आम जनता और सरकार का हाल, वही होगा जो आज अमेरिका का हो चुका है। सरकार के ऊपर कर्ज बढ़ता चला जा रहा है। आम लोगों के बजट में कटौती होती जा रही है। महंगाई बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। कमाई ओर बचत कम होती चली जा रही है। सरकारें कंगाल होती जा रही हैं, और जनता गुलाम होने जैसी स्थिति में पहुंच गई है। पूंजीवाद का यह चरम रूप है, जिसने अमेरिका जैसे देश में लोकतंत्र को खोखला कर दिया है। अमेरिका की संसद मे नीतियां जनता के लिए नहीं, बल्कि कंपनियों के हित के लिए बन रही हैं।

अमेरिका की वर्तमान स्थिति केवल उसकी आंतरिक समस्या नहीं है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए कहा जा सकता है, वैश्विक पूंजीवादी मॉडल की असफलता है। वैश्विक व्यापार संधि के माध्यम से पूंजीवाद को अमेरिका से पूरी दुनिया में फैलाने की कोशिश की गई थी। वह अपने वीभत्स रूप में अमेरिका में ही देखने को मिल रही है। सवाल यह है, चेतावनी को समय रहते समझेंगे, या फिर अमेरिका की राह पर चलते हुए भारत सहित दुनिया के सारे देश आर्थिक संकट और लोकतंत्र के लिए चुनौती साबित होंगे? वैश्विक व्यापार संधि के बाद जो बाजारवाद की लहर पूरी दुनिया के देशों में पहुंची थी, उसके कारण आम आदमी से लेकर सरकारें सभी कर्ज में डूबी हुई हैं। कॉरपोरेट दिन दूनी रात चौगुनी कमाई कर रहे हैं। आम जनता कर्ज और टैक्स के बोझ से दबी हुई है। इसके बाद भी दुनिया की सभी सरकारों का कर्ज बढ़ता ही जा रहा है। दुनिया के सभी देशों की जनता कंगाली और शोषण का शिकार हो रही हैं। राजनेताओं और कॉरपोरेट सेक्टर का जो गठबंधन बना है अब उसके खिलाफ सारी दुनिया के देशों में आम जनता के बीच विद्रोह देखने को मिलने लगा है। आधा दर्जन से ज्यादा देश इसके शिकार हैं। आम जनता विशेष रूप से युवा महंगाई और बेरोजगारी से परेशान हैं। कारपोरेट जगत में जो नीतियां बनाई हुई हैं उसमें मशीनों का ज्यादा से ज्यादा उपयोग हो रहा है। लोगों को काम नहीं मिल रहा है। जिसके कारण अब पूंजीवादी व्यवस्था को लेकर सारी दुनिया के देशों में जो गुस्सा देखने को मिल रहा है वह किसी के लिए भी अच्छा नहीं है। कापोरेट जगत और राजनेताओं की मिली भगत ने शोषण की सभी हदें पार कर दी हैं। इसके बाद भी अमेरिका जैसा देश कर्ज के कारण कंगाली के दौर पर पहुंच रहा है। यह सारी दुनिया के पूंजीवादी देशों के लिए एक सबक है।

सड़क हादसेः असुरक्षित सड़कें हैं जान की दुश्मन

चिंतन-मनन

कृष्ण हैं परम पुरुष

जीव तथा भगवान की स्वाभाविक स्थिति के विषय में अनेक दार्शनिक ऊहापोह में रहते हैं। जो भगवान कृष्ण को परम पुरुष के रूप में जानता है, वह सारी वस्तुओं का ज्ञाता है। अपूर्ण ज्ञाता परम सत्य के विषय में केवल चिन्तन करता जाता है, जबकि पूर्ण ज्ञाता समय का अपव्यय किये बिना सीधे कृष्णभावनामृत में लग जाता है, अर्थात भगवान की भक्ति करने लगता है। सम्पूर्ण भगवद्गीता में पग-पग पर इस तथ्य पर बल दिया गया है। फिर भी भगवद्गीता के ऐसे अनेक क र भाष्यकार हैं, जो परमेर तथा जीव को एक ही मानते हैं। वैदिक ज्ञान श्रुति कहलाता है, जिसका अर्थ है श्रवण करके सीखना। वास्तव में वैदिक सूचना कृष्ण तथा उनके प्रतिनिधियों जैसे अधिकारियों से ग्रहण करनी चाहिए। यहां कृष्ण ने हर वस्तु का अंतर सुन्दर ढंग से बताया है, अतएव इसी स्रोत से सुनना चाहिए। लेकिन केवल सुनना पर्याप्त नहीं है। मनुष्य को चाहिए कि अधिकारियों से समझे। ऐसा नहीं कि केवल शुष्क चिन्तन ही करता रहे। मनुष्य को विनीत भाव से भगवद्गीता से सुनना चाहिए कि सारे जीव सदैव भगवान के अधीन हैं। जो भी इसे समझ लेता है, वही श्रीकृष्ण के कथनानुसार वेदों के प्रयोजन को समझता है, अन्य कोई नहीं समझता।

भजति शब्द अत्यन्त सार्थक है। कई स्थानों पर भजति का संबंध भगवान की सेवा के अर्थ में व्यक्त हुआ है यदि कोई व्यक्ति पूर्ण कृष्णभावनामृत में रत है, अर्थात भगवान की भक्ति करता है, तो यह समझना चाहिए कि उसने सारा वैदिक ज्ञान समझ लिया है। वैष्णव परंपरा में कहा जाता है कि यदि कोई कृष्ण-भक्ति में लगा रहता है, तो उसे भगवान को जानने के लिए किसी अन्य आध्यात्मिक विधि की आवश्यकता नहीं रहती। वह ज्ञान की समस्त प्रारंभिक विधियों को पार कर चुका होता है। लेकिन यदि कोई लाखों जन्मों तक चिन्तन करने पर भी इस लक्ष्य पर नहीं पहुंच पाता कि श्रीकृष्ण ही भगवान हैं और उनकी ही शरण ग्रहण करनी चाहिए, तो उसका अनेक जन्मों का चिन्तन व्यर्थ जाता है।

विनोद के. शाह

देश में जनसंख्या वृद्धि केवल जनगणना के आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि रोजमर्रा के जीवन की हर सड़क, हर मोड़ और हर फुटपाथ पर सुरक्षित एंव शांतिपूर्ण जीवन में खौफ पैदा करती दिखती है।

शहरों में इंसान एवं वाहन बढ़ते गए, सड़कों पर जगह घटती गई। नतीजा यह कि पैदल चलने वालों के लिए कभी सुरक्षित माने जाने वाले फुटपाथ आज खड़े वाहनों, दुकानों के विस्तार और अवैध कब्जों से घिर चुके हैं। एक समय था जब फुटपाथ पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित, सुविधाजनक और निर्बाध रास्ता हुआ करता था। आमजनों को अधिकार में मिला सड़क के किनारे वाला फुटपाथ स्कूल जाते बच्चों, पैदल चलते बुर्जगों के लिए सुरक्षित मार्ग था। दिव्यांगजन भी बगैर डरे आत्मविश्वास के साथ सुरक्षित चल पाते थे। लेकिन अब वही फुटपाथ एंव पार्किंग स्थल अतिक्रमण का शिकार हो चुके हैं।

हाल ही में उच्चतम न्यायालय ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र सहित राज्य सरकारों से स्पष्ट कहा है कि नागरिकों, विशेष रूप से दिव्यांगजन और बुजुगरे के लिए सुरक्षित फुटपाथ उपलब्ध कराना सरकारों की नैतिक और संवैधानिक जिम्मेदारी है। अदालत ने चार सप्ताह के भीतर आवश्यक कदम उठाने का आदेश दिया है। यह आदेश अब केवल एक प्रशासनिक औपचारिकता नहीं, बल्कि एक चेतावनी भी है कि यदि सरकार और स्थानीय निकाय समय पर कदम नहीं उठाते, तो सड़क सुरक्षा के संकट और गंभीर होंगे। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के अनुसार वर्ष 2023 में देशभर में पैदल चलते हुए 35,203 लोगों की सड़क दुर्घटनाओं में मौत हुई, जबकि 54,544 लोग घायल हुए। यह आंकड़ा सड़क हादसों में कुल मौतों का 20.4% है। प्रत्येक पांच सड़क दुर्घटना मृतकों में से एक पैदल यात्री है। दिल्ली में वर्ष 2025 के प्रारंभिक चार महीनों में सड़क हादसों में 184 लोगों की जान गई है। यानी प्रत्येक माह औसतन 46 लोगों की पैदल चलने के दौरान मौत हुई है। दिल्ली यातायात पुलिस मानती है कि सड़क किनारे रेहड़ी-पटरी एवं खड़े वाहनों के अतिक्रमण से राजधानी की अस्सी फीसद सड़कें प्रभावित है। यह आंकड़े संकेत हैं कि हमारे शहर और कस्बे पैदल चलने के लिए सुरक्षित रहने के बजाए दिन-ब-दिन खतरनाक होते जा रहे हैं। पिछले वर्षो में ऐसी अनेक घटनाएं हुई है, जब स्कूल बस का इंतजार कर रहे बच्चों को तेज रफ्तार वाहनों ने रौंदा है।

वर्ष 2023 में ही सड़क हादसों में 2,352 बच्चों ने अपनी जान गंवाई। इससे भी दर्दनाक यह कि सड़क पर बने गड्ढों के कारण 2,161 लोग मारे गए। गड्ढा भरना कोई तकनीकी विशेषज्ञों की आवश्यकता नहीं मांगता है, इसे स्थानीय निकाय का सफाई कर्मचारी भी आसानी से संपन्न करा सकता है, लेकिन हमारे देश में पैचवर्क श्रेणी का कार्य भी फाइलों में एक टेबल से दूसरे टेबल का सफर करता एक लंबित कार्य बन जाता है। सड़क सुरक्षा में यातायात पुलिस सहित नगर निगम, नगर पालिका, विकास प्राधिकरण, यातायात प्रबंधन विभाग और नागरिकों, सभी की साझा जिम्मेदारी है।

स्थानीय प्रशासन को अतिक्रमण हटाने, पार्किंग व्यवस्था सुधारने और फुटपाथ की मरम्मत की जिम्मेदारी प्रशासनिक कार्य बंटवारे में सौंपी गई है। यातायात पुलिस को पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित जेब्रा क्रॉसिंग, यातायात सिग्नल और अंडरपास की व्यवस्था सुनि त करनी चाहिए। नागरिकों को भी स्वयं के कर्तव्यों को समझने की अवश्यकता है कि फुटपाथ पर गाड़ी खड़ी करना या दुकान फैलाना दूसरों के जीवन को संकट में डालना है। बैंक, मॉल, अस्पताल और प्रतिष्ठानों को अपने ग्राहकों को पार्किंग सुविधा उपलब्ध कराना व्यापारिक जिम्मेदारी के साथ कानूनन आवश्यक है। लेकिन स्थानीय प्रशासनिक व्यवस्था इतनी अधिक लाफरवाह हो चुकी है कि पार्किंग अभाव में भी संस्थाओं को संचालन की आसान अनुमति दे दी जाती है, जिसमें गाड़ियां सड़कों और टपाथों पर खड़ी कर दी जाती हैं।

आवासीय क्षेत्रों में वह रहवासी भी बड़ी गाड़ियां खरीदने में परहेज नहीं करते हैं जिन पर पार्किंग सुविधा नहीं है, परिणामस्वरूप वाहन सड़क पर खड़े किए जाते हैं। जिसके कारण आपातकालीन सेवाएं एंबुलेंस और अग्निशमन वाहन भी समय पर आसानी से नहीं गुजर पाते है। शीर्ष अदालत ने कहा है कि जब बड़े राजमार्ग बनाने की बात की जा रही है, लेकिन

देश में पैदल राहगीरों के लिए सडक किनारे फुटपाथ सुरक्षित नहीं है। यह देश में गंभीर चिंता का विषय होना चहिए। मोटर वाहन अधिनियम 1988 में भी पैदल यात्रियों को सड़क क्रॉसिंग, फुटपाथ और ट्रैफिक सिग्नल जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराना अनिवार्य माना गया है, लेकिन इसे सिर्फ किताबों तक ही सीमित माना जा रहा है।

पैदल राहगीरों के दुर्घटनाग्रस्त होने पर इलाज सहायता का प्रावधान भी अदालत के हस्तक्षेप के बाद ही संभव हो सका है। अगर आज हमने फुटपाथ और सड़क सुरक्षा पर ध्यान नहीं दिया, तो आने वाले समय में शहरों में पैदल चलना भी असंभव हो जाएगा। सुप्रीम कोर्ट का दिशा-निर्देश महत्त्वपूर्ण कदम है, सुरक्षित फुटपाथ और व्यवस्थित सड़कें केवल यातायात सुधार का हिस्सा नहीं, बल्कि हर नागरिक के जीवन के अधिकार का सम्मान भी है।

पूर्व प्राचार्य दुरसाराम गुरूजी ने बेटे की सेवानिवृत्ति पर छात्रावासों को दिया सहयोग, यादव समाज ने किया सम्मान

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

ग्राम पवाना अहीर निवासी रमेश चंद्र यादव ने 32 वर्ष की सेवा पूर्ण कर चांदोली स्कूल से शारीरिक शिक्षक पद से सेवानिवृत्ति ली। इस अवसर पर उनके पिता पूर्व प्राचार्य दुरसाराम गुरूजी ने समाजहित में पहल करते हुए कोटपूतली श्रीकृष्ण महिला छात्रावास और पावटा श्रीकृष्ण छात्रावास को 21-21 हजार रुपए सहयोग स्वरूप प्रदान किए। कुल 42 हजार की राशि से छात्रावास में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को सुविधा मिलेगी। सेवा निवृत्ति अवसर पर यादव समाज के प्रबुद्धजनों ने रमेश यादव का माल्यार्पण कर राजस्थानी साफ़ा पहनाकर अभिनंदन किया। कार्यक्रम में यादव समाज अध्यक्ष रामावतार यादव, पूर्व अध्यक्ष गिरधारीलाल गुरूजी, भैंरूराम हुल्डा, डॉ. रतिराम यादव, पूर्व शिक्षा अधिकारी सरदार मल, एम.डी. यादव, रामकरण यादव, घीसाराम राव, बाबूलाल गुरूजी, एडवोकेट रामचंद्र सहित अनेक लोग मौजूद रहे। वक्ताओं ने पिता-पुत्र के योगदान को प्रेरणादायी बताया।

काला कुआं में गाय ने बुजुर्ग महिला को सींग से उठाकर फेंका, अस्पताल में भर्ती

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

शहर के काला कुआं सेठ की बावड़ी के पास मंगलवार सुबह करीब 10.30 बजे एक गंभीर घटना हुई। 82 वर्षीय राहगीर महिला जीत आहुजा बालिकाओं को भोजन कराने जा रही थीं, तभी एक गाय ने उन्हें सींग से उठाकर दूर फेंक दिया। इस घटना में महिला के सिर में गंभीर चोटें आईं और वह लहूलुहान हो गई। परिजन उन्हें तुरंत निजी अस्पताल में भर्ती कराते हुए उपचार करवाया, जहां उन्हें कई टांके लगे। यह जानकारी उनके नवासे मनीष अरौड़ा ने दी। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पशुपालक दूध निकालने के बाद गायों को सड़कों पर छोड़ देते हैं, जिससे ये आवारा पशु आमजन के लिए लगातार खतरा बनते जा रहे हैं। नगर निगम प्रशासन अभी तक इन पशुओं को पकड़कर कांजी हाउस में रखने में कारगर कार्रवाई नहीं कर पाया है। आवारा पशु न केवल दुर्घटनाओं का कारण बन रहे हैं, बल्कि शहर की जनता की सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती भी बन गए हैं। नागरिक प्रशासन से जल्द समाधान की उम्मीद कर रहे हैं ताकि बुजुर्ग और बच्चों सहित सभी लोग सुरक्षित रह सकें।

चैक बाउंस मामले में आरोपी को एक साल की जेल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

विशिष्ट न्यायिक मजिस्ट्रेट एनआई एक्ट संख्या-1 तुषार शर्मा की अदालत ने चैक बाउंस मामले में गुजरात के कच्छ जिले भुज स्थित फर्म मैसर्स कृष्णा इंटरप्राइजेज के संचालक हेमल पटेल को दोषी ठहराया है। अदालत ने आरोपी को एक साल का कारावास और 9.80 लाख रुपए प्रतिकर अदा करने का आदेश दिया। परिवादी पंजाब प्लाइवुड फर्म के संचालक जगजीत सिंह ने आरोप लगाया था कि हेमल पटेल ने 9,53,418 रुपए का प्लाई बोर्ड खरीदा था। भुगतान के लिए दिए गए दो चैक–एक 3 लाख और दूसरा 2.68 लाख रुपए का–बैंक में प्रस्तुत करने पर बाउंस हो गए। कई बार मांगने के बावजूद आरोपी ने भुगतान करने से इनकार कर दिया। अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने और साक्ष्यों का अवलोकन करने के बाद हेमल पटेल को दोषी मानते हुए सजा सुनाई। साथ ही आदेश दिया कि परिवादी को प्रतिकर राशि का भुगतान किया जाए।

विराटनगर थाना पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के मामले में एक और आरोपी गिरफ्तार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा विराटनगर

विराटनगर थाना पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट में दर्ज प्रकरण की जांच के दौरान एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। अब तक इस मामले में कुल सात अभियुक्तों को गिरफ्तार किया जा चुका है। थानाधिकारी सोहनलाल ने बताया कि पुलिस थाना नारायणपुर ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 878 ट्रामाडोल कैप्सूल जब्त किए थे। इस प्रकरण की जांच विराटनगर थाना पुलिस द्वारा की जा रही थी। जांच के दौरान दिनेश कुमार अग्रवाल, निवासी गुर्जर मोहल्ला, खेरली जिला अलवर, को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के बाद आरोपी को एनडीपीएस एक्ट के तहत न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। इस गिरफ्तारी में थानाधिकारी सोहनलाल, श्रवण कुमार, एएसआई राजेश कुमार और कांस्टेबल कंवर सिंह व मुकेश कुमार की अहम भूमिका रही।

जयपुर में प्राइवेट स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

जयपुर पुलिस कमिश्नरेट के कंट्रोल रूम में आज एक फोन आने से हडकंप मच गया। फोन करने वाले ने बताया कि भांकरोटा स्थित माय ओवन स्कूल में बम लगा हुआ है, जो कभी-भी फट सकता है। कंट्रोल रूम को मिली सूचना के बाद कंट्रोल रूम ने सीनियर अधिकारी और डीसीपी वैस्ट को घटना की जानकारी दी। जानकारी मिलने पर भांकरोटा थाना पुलिस को मौके पर भेज कर स्कूल खाली कराया। लेकिन आज छुट्टी होने के कारण कुछ लोग ही स्कूल में थे। डीसीपी वेस्ट हनुमान प्रसाद मीणा ने बताया कि कंट्रोल रूम को किसी ने फोन कर बताया कि स्कूल में बम है, जिसके बाद बम निरोधक दस्ता, एटीएस, डॉग स्क्वायर्ड की टीम को मौके पर भेजा गया। स्कूल में छुट्टी होने कारण स्कूल पहले से ही खाली था। कुछ कर्मचारी स्कूल में थे जिन्हें बाहर निकालकर स्कूल में सर्च कराया गया। अभी तक स्कूल में कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। वहीं एक टीम फोन करने वाले आरोपी के नंबर के आधार पर उसकी जांच करने में लगी हुई है। जयपुर पुलिस धमकी भरे फोन और मेल को पिछले कुछ महीने से सबसे ज्यादा परेशान है। लेकिन पुलिस इन फोन और मेल करने वालों तक अभी भी नहीं पहुंच सकी। यही कारण है कि शरारती तत्व बार-बार इस तरह का अपराध करके पुलिस का समय खराब कर रहे हैं।

मधु किन्नर हत्याकांड का मुख्य शूटर गिरफ्तार, 10 लाख में ली थी सुपारी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

कोटपूतली-बहरोड़ पुलिस ने समाजसेवी मधु किन्नर हत्याकांड का पर्दाफाश करते हुए मामले के मुख्य शूटर पवन कुमार गुर्जर को हरियाणा के झज्जर से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पर ?25,000 का इनाम घोषित था और वह पहले से ही कई गंभीर अपराधों में वांछित चल रहा था। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने उसके पास से हत्या में इस्तेमाल की गई पिस्टल और जिंदा कारतूस भी बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक देवेंद्र कुमार बिश्नोई ने बताया कि 10 सितंबर को नीमराना रीको औद्योगिक क्षेत्र में मधु किन्नर की कार में ही गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वारदात को अंजाम देने वाला नकाबपोश व्यक्ति पवन गुर्जर ही था, जिसने इस हत्या के लिए ?10 लाख की सुपारी ली थी। पुलिस रिकॉर्ड में पवन गुर्जर एक हार्डकोर अपराधी के रूप में दर्ज है। झज्जर सिटी थाने में उस पर हत्या, एनडीपीएस एक्ट समेत कई गंभीर मामले पहले से लंबित हैं। उसकी गिरफ्तारी को हत्याकांड की गुत्थी सुलझाने में बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। इससे पहले इस केस में पुलिस ने नरेश उर्फ सोनिया, सीमा किन्नर और मोहम्मद जावेद उर्फ समीर को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा था। अब मुख्य शूटर के पकड़े जाने के बाद पूरी साजिश और हत्या का मकसद साफ होने की उम्मीद है। गिरफ्तारी की इस कार्रवाई को पुलिस की विशेष टीम ने अंजाम दिया। नीमराना एएसपी और वृताधिकारी के सुपरविजन में गठित इस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिरों की मदद से पवन गुर्जर को दबोच लिया। टीम के मोहनलाल, बलदेव और रामसिंह के प्रयासों की विशेष प्रशंसा की गई है। पुलिस का मानना है कि आरोपी से पूछताछ के बाद हत्याकांड से जुड़े अन्य राज भी खुल सकते हैं। मधु किन्नर की हत्या ने इलाके में सनसनी फैला दी थी और लंबे समय से यह केस पुलिस के लिए चुनौती बना हुआ था। मुख्य शूटर की गिरफ्तारी से पुलिस ने अब इस ब्लाइंड मर्डर केस में निर्णायक सफलता हासिल कर ली है।

जमीन विवाद में मारपीट व फायरिंग के मामले में दो गिरफ्तार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

कोटकासिम थाना क्षेत्र के ग्राम जकोपुर में 03 नवम्बर 2024 की रात को हुई जमीन पर अवैध कब्जे की नीयत से मारपीट और फायरिंग के मामले में बानसूर थाना पुलिस ने दो फरार अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लिया है। एसपी देवेन्द्र कुमार बिश्नोई ने बताया कि जयपुर रेंज के आईजी राहुल प्रकाश के निर्देशानुसार खैरथल-तिजारा जिले के इस प्रकरण का अनुसंधान बानसूर एसएचओ सुरेन्द्र मलिक द्वारा किया जा रहा था। इस मामले में पहले ही 16 अभियुक्त गिरफ्तार किए जा चुके थे, लेकिन मुख्य आरोपी फरार चल रहे थे। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में हरियाणा के रेवाड़ी जिला के ग्राम हांसलवास निवासी 21 वर्षीय सौरभ पुत्र दिनेश उर्फ धन्नी गुर्जर और खैरथल-तिजारा के खुशखेड़ा थाने के ग्राम बुरहेड़ा निवासी 20 वर्षीय सागर पुत्र हनुमान गुर्जर शामिल हैं। दोनों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया और रिमांड लिया गया। एसपी ने बताया कि प्रकरण में अभी भी कुछ फरार अभियुक्तों की तलाश जारी है और उन्हें जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा। इस कार्रवाई से स्थानीय लोगों में राहत की भावना है, जबकि पुलिस ने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी अपराधियों को समय पर पकड़ने के लिए कड़ी मेहनत जारी रहेगी।

कांग्रेस ने अलवर में वोट चोरी के खिलाफ हस्ताक्षर अभियान चलाया

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

अलवर शहर में कांग्रेस के भर्तृहरि मंडल की ओर से "वोट चोर, गद्दी छोड़" के नारे के साथ हस्ताक्षर अभियान भवानी तोप चौराहा पर आयोजित किया गया। यह अभियान एआईसीसी महासचिव भंवर जितेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार, जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा के नेतृत्व में और एआईसीसी कोऑर्डिनेटर के.के. शास्त्री के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा ने कहा कि इस मुहिम को ब्लॉक, मंडल और बूथ स्तर तक ले जाकर जनता के बीच भाजपा और चुनाव आयोग की कथित संदिग्ध भूमिका को उजागर किया जाएगा। कांग्रेस कार्यकर्ता घर-घर जाकर भाजपा का असली चेहरा जनता के सामने रखेंगे। मुख्य अतिथि के.के. शास्त्री ने कहा कि भाजपा की वोट चोरी की पोल अब जनता के सामने खुल चुकी है और यह लोकतांत्रिक तंत्र पर भी सवाल खड़ा करता है। कांग्रेस जनता के बीच जाकर भाजपा के चाल, चरित्र और चेहरे को बेनकाब करेगी। इस अवसर पर शहर प्रभारी बिजेंद्र सिंह महलावत, रिपुदमन गुप्ता, शहर अध्यक्ष जेडी. आर्यन, प्रीतम सिंह मेहंदीरत्ता, मंडल प्रभारी जीत कौर, लीली यादव, जमशेद सरपंच, मुकेश सारवान, पप्पू भाई प्रधान, साहुन खान, आमीन मैहर, रमन सैनी, रवि मीना, रामप्रकाश शर्मा, पवन शर्मा, देवेन्द्र शर्मा, राजेश विरमानी, जगदीश सिंहल, मोरध्वज चौधरी और कुलदीप माथुर सहित कई अन्य नेता उपस्थित रहे।

जमीन और बोरिंग विवाद में घुसकर मारपीट, 3 अभियुक्त और महिला गिरफ्तार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

जिले के बानसूर थाना क्षेत्र के ग्राम मोठुका में 25 सितम्बर की रात्रि जमीन और साझे की बोरिंग को लेकर हिंसक घटना घटी। सूचना के अनुसार, देर रात करीब 10 बजे कुछ लोग एक घर में घुसकर मारपीट करने लगे। इस पर एसएचओ सुरेन्द्र मलिक के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। पीड़ित भूपसिंह की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। एसपी देवेन्द्र कुमार बिश्नोई ने बताया कि पुलिस ने इस घटना में शामिल तीन अभियुक्त और एक महिला को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों में ग्राम मोठुका निवासी रामनिवास पुत्र चूनाराम जाट, कृष्ण पुत्र रामदयाल जाट, ग्राम मुगलपुर हरसौरा निवासी अजीत पुत्र बाबूलाल गुर्जर और कोटपूतली के ग्राम खरकड़ी निवासी सुशीला पत्नी लालाराम जाट शामिल हैं। साथ ही, पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त हथियार भी बरामद किए हैं। पुलिस ने बताया कि अन्य शेष आरोपी अभी फरार हैं और उनकी तलाश जारी है। मामले में पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है और सभी आरोपियों के खिलाफ कानून के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

किशोरी स्वास्थ्य जागरूकता अभियान में स्वास्थ्य वार्ता का आयोजन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

राजमार्ग स्थित पल्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के तत्वाधान में मंगलवार को बसंत प्रभु आदर्श विद्या मंदिर में किशोरी स्वास्थ्य जागरूकता अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य वार्ता का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यालय की छात्राओं को किशोरावस्था में होने वाले शारीरिक और मानसिक बदलावों, मासिक धर्म स्वास्थ्य, पोषण और स्वच्छता के महत्व के विषय में महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। मुख्य वक्ता स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. रेखा कुमावत ने छात्राओं को संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण की आवश्यकता के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने किशोरियों को सही स्वास्थ्य आदतें अपनाने और मानसिक स्वास्थ्य बनाए रखने के तरीकों पर भी मार्गदर्शन किया। विद्यालय प्राचार्य और प्रबंध समिति के सदस्यों प्रतीक्षा चौधरी एवं जगदीश प्रसाद माली ने पल्स हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. महेन्द्र सिंह पलसानियां का इस प्रकार के सामाजिक एवं स्वास्थ्य संवर्धन कार्यक्रम आयोजित करने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे अभियान छात्राओं को सही दिशा और जागरूकता प्रदान करते हैं। अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि भविष्य में भी किशोरी स्वास्थ्य जागरूकता अभियान निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे, जिससे समाज में स्वास्थ्य के प्रति सजगता बढ़े और विशेषकर किशोरियों को समय पर सही मार्गदर्शन मिल सके। कार्यक्रम का संचालन मनीषा वाल्मिकी ने किया। इस अवसर पर पूनम, ममता, पार्वती, एकता, सरला, ज्योति, सीमा, अन्नु कंवर समेत अन्य छात्राएं और शिक्षक उपस्थित रहे।

यूआईटी ट्रस्ट मीटिंग को महीना बीता, टेंडर जारी नहीं होने से विकास कार्य अधर में

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

शहरी विकास से जुड़े प्रस्तावों पर कार्रवाई में सुस्ती के कारण शहर के विकास कार्य अटक गए हैं। यूआईटी की 314वीं ट्रस्ट मीटिंग हुए एक महीना गुजर चुका है, लेकिन अब तक नए कामों के टेंडर जारी नहीं हो पाए। नवरात्रा की शुरुआत में निविदाएं जारी करने की योजना बनाई गई थी, मगर प्रशासनिक देरी के चलते अब दीपावली से पहले काम शुरू होने की संभावना कम दिखाई दे रही है। 4 सितंबर को हुई इस मीटिंग में करीब 40 करोड़ रुपए की लागत वाले कई प्रस्ताव पारित किए गए थे, जिनमें पटरी पार क्षेत्र में नाला और ड्रेनेज सिस्टम निर्माण प्रमुख है। इसके बावजूद मीटिंग की मिनट्स समय पर जारी नहीं हो सकीं। इसके बाद 17 सितंबर से शहरी पखवाड़ा शुरू हो गया, जिससे निविदाएं जारी करने की प्रक्रिया फिर से अटक गई। अब ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान की पाबंदियां लागू होने पर प्रोजेक्ट और भी लटक सकते हैं। पारित प्रस्तावों में शहर के कई महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं, जिनका स्थानीय निवासियों को लंबे समय से इंतजार है। इनमें अरावली विहार फेज-1 और 2 तथा अंबेडकर नगर में सीवर लाइन और नाला निर्माण, तिजारा रोड व दिल्ली रोड पर बरसाती नाला व ड्रेनेज, नेहरू उद्यान में हाई मास्क लाइट और ऑल एबिलिटी पार्क, भवानी तोप सर्किल से मोती डूंगरी तक डामरीकरण, मूंगस्का, टाइगर कॉलोनी और जनता कॉलोनी में सड़कें, बहरोड़ रोड व तिजारा-भिवाड़ी रोड पर प्रवेश द्वार व स्ट्रीट लाइट लगाना शामिल हैं। इसके अलावा मोती डूंगरी चारों ओर फसाड लाइट, प्रताप ऑडिटोरियम व उप-नगर नियोजक कार्यालय की मरम्मत तथा राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में हाई मास्क लाइट लगाने का प्रस्ताव भी मंजूर किया गया था। स्थानीय लोगों का कहना है कि इन कार्यों से शहर की मूलभूत सुविधाओं और सौंदर्यकरण में बड़ा बदलाव आना था। लेकिन देरी की वजह से विकास की रफ्तार थम गई है। अब प्रशासन पर दबाव है कि जल्द से जल्द टेंडर जारी कर काम शुरू किए जाएं, वरना शहर के बड़े हिस्से में बरसात और प्रदूषण दोनों समस्याएं बनी रहेंगी।

बानसूर के चतरपुरा बस स्टैंड पर सुविधाओं की बदहाली, 15 हजार यात्री प्रभावित

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बानसूर

बानसूर विधानसभा क्षेत्र की प्रमुख ग्राम पंचायत चतरपुरा का मुख्य बस स्टैंड बदहाल है। यह बस स्टैंड चतरपुरा सहित आसपास के 40-50 गांवों के लिए मुख्य यातायात केंद्र है। प्रतिदिन यहां से जयपुर, दिल्ली, कोटपूतली, बानसूर, नारायणपुर और अलवर के लिए सैकड़ों बसें गुजरती हैं और लगभग 10 से 15 हजार यात्री इस स्टैंड का उपयोग करते हैं। बावजूद इसके बुनियादी सुविधाओं का अभाव गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। सबसे बड़ी समस्या सार्वजनिक शौचालय की कमी है। महिला यात्री मजबूरन आसपास के घरों में जाकर शौच करने या खुले में जाना पड़ता है। छोटे बच्चे और बुजुर्ग यहां सबसे अधिक असुविधा झेलते हैं। इसके अलावा बस स्टैंड और आसपास की सड़कों पर रोड लाइट न होने के कारण शाम होते ही पूरा क्षेत्र अंधेरे में डूब जाता है। अंधेरे का फायदा उठाकर चोरी और असामाजिक गतिविधियां बढ़ गई हैं। दुकानदार सुरेश सैनी ने बताया कि दुकानें बंद करते समय डर लगता है और कई बार चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं, जबकि प्रशासन केवल रिपोर्ट दर्ज कर लेता है। ग्रामीणों ने इस संबंध में कई बार प्रशासन को ज्ञापन सौंपा, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। युवा सामाजिक कार्यकर्ता राकेश दायमा के नेतृत्व में ग्रामीणों ने प्रशासन की लापरवाही पर कड़ा रोष व्यक्त किया और चेतावनी दी कि यदि जल्द ही समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो सड़क पर उतरकर आंदोलन किया जाएगा। ग्रामीणों की प्रमुख मांगों में सार्वजनिक शौचालय का निर्माण, रोड लाइटों की स्थापना, सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाना और स्वच्छता व्यवस्था सुनिश्चित करना शामिल है। इस दौरान अमर सिंह मीणा, सुरेश सैनी, लालाराम प्रजापत, मोहित शेखावत, सुभाष शेखावत, राजेन्द्र सिंह, मोनू यादव, हेमन्त कुमावत, रवि मीणा, जीतू पहलवान, राजपाल सिंह, राकेश सैन, अमित मौर्य, लेखराज यादव, दिलीप कुमार, कृष्ण जांगिड़, सतवीर जांगिड़, जगदीश मीणा, शंभूदयाल योगी, हरिसिंह शेखावत, कृष्ण जाट सहित कई अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

कांकर बस स्टैंड शौचालय आठ साल से बंदः डेढ़ लाख खर्च के बावजूद ग्रामीण परेशान

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा शाहजहांपुर

कांकर गांव के बस स्टैंड परिसर में 2017 में डेढ़ लाख रुपये की लागत से एक सार्वजनिक शौचालय का निर्माण कराया गया था, लेकिन आठ साल बीत जाने के बाद भी यह सुविधा आम जनता के लिए बंद पड़ी है। निर्माण के समय से ही इस पर ताला लगा हुआ है और यह अब सिर्फ एक खाली इमारत बनकर रह गया है। स्थानीय ग्रामीण इस स्थिति को लेकर नाराज हैं। उनका कहना है कि पंचायत ने शौचालय बनाने के बाद इसे चालू कराने में कोई पहल नहीं की। न तो तत्कालीन सरपंच ने इसका संचालन शुरू कराया और न ही वर्तमान सरपंच रवींद्र सिंह ने अब तक इसे जनता के उपयोग के लिए खोला। ग्रामीणों का कहना है कि लाखों रुपये खर्च कर बनाई गई यह सुविधा आज तक किसी काम की नहीं रही। बस स्टैंड के पास ही 40 साल पुराने उपस्वास्थ्य केंद्र में भी शौचालय की सुविधा उपलब्ध नहीं है। यहां 2016 से कार्यरत एएनएम किस्मत यादव ने बताया कि शौचालय बना तो है, लेकिन कभी चालू नहीं हुआ। कर्मचारियों और मरीजों को मजबूरी में आसपास के घरों में जाना पड़ता है। उन्होंने सुझाव दिया कि यदि यह शौचालय उपस्वास्थ्य केंद्र को सौंप दिया जाए, तो मरीजों और स्वास्थ्य कर्मियों दोनों को राहत मिल सकती है। स्थानीय ग्रामीणों ने कहा कि गर्मी और सर्दी के मौसम में शौचालय की अनुपस्थिति गंभीर समस्या बन जाती है। बुजुर्ग और महिलाएं विशेष रूप से इससे परेशान हैं। कुछ ग्रामीणों ने पंचायत पर आरोप लगाया कि उन्होंने योजना बनवाकर फंड हासिल कर लिया, लेकिन उसका सही क्रियान्वयन नहीं किया। इस मामले पर सरपंच रवींद्र सिंह ने कहा कि शौचालय को जल्द ही खुलवाकर उपयोग में लाया जाएगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही इसके संचालन की तैयारी की जाएगी ताकि ग्रामीणों को असुविधा का सामना न करना पड़े। यह मामला ग्रामीण इलाकों में सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में खामियों को उजागर करता है। लाखों रुपये खर्च कर बनाई गई सुविधा का आठ साल तक बंद रहना न केवल संसाधनों की बर्बादी है, बल्कि जनहित की अनदेखी भी दर्शाता है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन और पंचायत को योजनाओं के निर्माण के साथ ही उनके संचालन और रख-रखाव पर भी ध्यान देना चाहिए, ताकि जनता को वास्तविक लाभ मिल सके।

टीम इंडिया को एशिया कप ट्रॉफी लौटाने को तैयार हुए पीसीबी के चीफ, लेकिन रख दी ये ऊटपटांग शर्त

दुबई (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चीफ मोहसिन नकवी टीम इंडिया को एशिया कप ट्रॉफी लौटाने को तैयार हो गए हैं। हालांकि, उन्होंने एक ऊटपटांग शर्त रखी है जो पूरी किसी कीमत में तो पूरी होने से रही। भारत ने एशिया कप 2025 फाइनल में पाकिस्तान पर रोमांचक जीत के बाद नकवी के हाथों से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था। नकवी एशियन क्रिकेट काउंसिल के चीफ और पीसीबी के चेयरमैन भी हैं। वह पाकिस्तान के गृहमंत्री भी हैं।

क्रिकबज की एक रिपोर्ट के अनुसार, नकवी ने भारतीय टीम को ट्रॉफी और विनर्स मेडल वापसी करने के लिए एक शर्त रखी है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि नकवी ने आयोजकों को बताया कि भारतीय टीम को ट्रॉफी और मेडल तभी मिलेंगे जब एक फॉर्मल फंक्शन रखा जाएगा। इतनाही नहीं नकवी ये भी चाहते हैं कि ट्रॉफी और मेडल उनके हाथों से दिलवाया जाएं। हालांकि भारत और पाकिस्तान के बीच राजनीतिक संबंधों को देखते हुए ऐसी कोई व्यवस्था होने की संभावना बहुत कम है। बता दें कि पाकिस्तान से फाइनल जीतने के बाद ट्रॉफी नहीं मिलने पर कप्तान सूर्यकुमार यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में हैरानी जताई।

सूर्या ने कहा कि जब से मैंने क्रिकेट खेलना या देखना शुरू किया है मैंने ऐसा पहले कभी नहीं देखा कि विजयी टीम को ट्रॉफी नहीं दी गई हो। वह भी इतनी मेहनत से जीती गई ट्रॉफी। ऐसा नहीं है कि हमने आसानी से जीत ली। हमने काफी मेहनत से ये टूर्नामेंट जीता था।

चीन ओपन: कोको गॉफ ने बेलिंडा बेन्सिक को हराया, क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई

बीजिंग (एजेंसी)। अमेरिकी खिलाड़ी कोको गॉफ (Coco Gauff) ने स्विस स्टार बेलिंडा बेन्सिक (Belinda Bencic) को 4-6, 7-6 (4), 6-2 से हराकर चीन ओपन क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया। निर्णायक सेट में गॉफ ने बेन्सिक की सर्व को ब्रेक किया और मैच अपने नाम किया।

दूसरे सीडेड गॉफ ने अपने हेड-टू-हेड रिकॉर्ड को 4-2 से बढ़ाया। इस साल दोनों खिलाड़ियों के बीच तीन मुकाबले हो चुके हैं, जिनमें जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन में गॉफ की जीत शामिल है। हालांकि बेन्सिक ने अबू धाबी में जीत दर्ज की थी।

इगा स्वियाटेक ने 400वीं करियर जीत दर्ज की

विम्बलडन चैंपियन इगा स्वियाटेक ने सोमवार को कोलंबियाई खिलाड़ी कैमिला ओसोरियो को हराकर अपनी 400वीं करियर जीत दर्ज की और चीन ओपन के चौथे दौर में प्रवेश किया। स्वियाटेक ने पहले सेट में 6-0 से जीत दर्ज की। ओसोरियो ने दूसरे सेट की पहली गेम में चोट के कारण मैच से वापसी की।

स्वियाटेक ने कहा, 'मुझे कैमिला के लिए अफ़सोस है, क्योंकि वह हमेशा 100 प्रतिशत देती हैं। शुरुआत से ही चोट थी, इसलिए वह खेल नहीं पाई। लेकिन मैंने पहले सेट में अच्छा खेला और अपने गेम से दबाव बनाया।'

स्वियाटेक, जो पिछले हफ्ते सियोल में कोरिया ओपन की विजेता रही और जिनके नाम छह ग्रैंड स्लैम टाइटल हैं, अब अमेरिकी खिलाड़ी एम्मा नवारो के खिलाफ खेलेंगी।

पुरुष वर्ग में सेमीफाइनल और आगामी टूर्नामेंट

बीजिंग में ATP टूर्नामेंट के दो पुरुष सेमीफाइनल भी निर्धारित थे। जैनिक सिन्नर का सामना एलेक्स डी मिनौर से और लीर्नर टिएन का मुकाबला दानील मेदवेदेव से हुआ। पुरुष फाइनल बुधवार को खेला जाएगा और इसके बाद ATP दौरा शंघाई मास्टर्स के लिए 12 दिन के कार्यक्रम के साथ आगे बढ़ेगा, जो 12 अक्टूबर को फाइनल के साथ समाप्त होगा।

कोच और कप्तान ने अभिषेक को दी थी अपने अनुसार खेलने की पूरी आजादी

पहली गेंद पर आउट हुए तो भी फर्क नहीं पड़ेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशिया कप में अपनी तफानी बल्लेबाजी से विरोध टीम के गेंदबाजी आक्रमक को ध्वस्त करने वाले भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को अपने अनुसार खेलने की पूरी आजादी कोच गौतम गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार यादव से मिली हुई थी। अभिषेक को टूर्नामेंट में सबसे अधिक रनों के लिए प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवार्ड भी मिला। गंभीर और सूर्यकुमार ने साफ कर दिया है कि उनको अपने आक्रामक अंदाज में बदलाव करने की जरुरत नहीं है। यहां तक कहा था कि अबर वह बड़ा शॉट खेलते हुए पहली ही गेंद पर भी आउट होते हैं तो हर्ज नहीं है। अभिषेक ने इसके बाद जिस तेजी से खेला और विरोधी टीमों को घटनों पर ला दिया। वह सभी ने देखा। इस बल्लेबाज ने दिखाया कि वह मैच को अकेले ही दूसरी टीम से दूर ले जा सकते हैं। सूर्यकुमार ने कहा कि गंभीर ने ही शिवम से पहला ओवर कराने की सलाह दी थी।

साथ ही कहा कि मैंने और गंभीर ने उसे अपना खेल न बदलने के लिए कहा है क्योंकि इसी से उनकी पहचान बनी थी। इसी आक्रामक बल्लेबाजी के कारण वह टीम में पहुंचे। इसलिए उसे न छेड़ें। उनके इस कौशल से मुकाबले में अंतर आ जाएगा। टी20 एक उच्च जोखिम वाला प्रारुप है इसमें उसे जोखिम उठाने का लाभ मिला।'

वहीं गंभीर की भूमिका को लेकर कप्तान सूर्या ने कहा, वह पर्दे के पीछे से काम करने वाले व्यक्ति हैं, वह कभी भी आगे नहीं आते। वह सबकी सहायता करते हैं, सबका साथ देते हैं। कल उन्होंने ही मुझे शिवम दुबे को नई गेंद से गेंदबाजी कराने के लिए कहा था। वह खेल और दबाव की परिस्थितियों को समझते हैं। वह जानते हैं कि ये सब कैसे काम करता है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया ने बहाया जमकर पसीना, इन खिलाड़ियों ने लिया ब्रेक

नई दिल्ली (एजेंसी)। जसप्रीत बुमराह, कुलदीप यादव और अक्षर पटेल ने ब्रेक लिया जबकि भारतीय टीम के अन्य सदस्यों ने एशिया कप में शानदार जीत के दो दिन से भी कम समय बाद मंगलवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैच की श्रृंखला के पहले ट्रेनिंग के दौरान जमकर पसीना बहाया।

कप्तान शुभमन गिल और मुख्य कोच गौतम गंभीर सहित टीम के सदस्य सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात को यहां पहुंचे और टीम ने नरेंद्र मोदी स्टेडियम में लगभग तीन घंटे तक अभ्यास किया। इसके अलावा रविवार को सफेद गेंद के टूर्नामेंट एशिया कप के समापन और गुरुवार से शुरू होने वाली विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की एक श्रृंखला के बीच बहुत कम समय होने के कारण भारत को खिलाड़ियों के कार्यभार का प्रबंधन भी करना होगा।

हल्के वार्म अप और कैचिंग के साथ शुरुआत के बाद सभी बल्लेबाजों ने लंबे समय तक नेट पर अभ्यास किया जबकि अन्य तेज गेंदबाजों ने भी कड़ी मेहनत की। मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने मौसम साफ होने के बाद लगभग 45 मिनट तक गेंदबाजी की। ये दोनों ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ भारत ए की ओर से दूसरे चार दिवसीय अनौपचारिक टेस्ट में भी खेले थे।

दोनों दाएं हाथ के तेज गेंदबाज अच्छी लय में दिखे और बारिश के बाद अभ्यास

विकेट पर अच्छी गति और उछाल हासिल किया। यहां पहुंचने के बाद पिच को देखने वाले गंभीर ने भारत का ट्रेनिंग सत्र समाप्त होने के बाद फिर से पिच का जायजा लिया। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और लोकेश राहुल के अलावा विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल भी शानदार लय में दिखे जिन्होंने दूसरे अनौपचारिक टेस्ट में भारत ए की कप्तानी की थी।

मध्यक्रम के अन्य बल्लेबाज बी साई सुदर्शन और देवदत्त पडिक्कल भी अच्छी लय में दिखे लेकिन कप्तान गिल को भारतीय तेज गेंदबाजों और थ्रो डाउन विशेषज्ञ का सामना करते हुए कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ा। गिल ने कुछ गेंद बल्ले के बीच से खेली लेकिन कुछ पर चूक गए। साथ ही जब वह डिफेंस के लिए आगे बढ़े तो गेंद ने बल्ले का बाहरी किनारा भी लिया।

एक बार वह तब हैरान भी हुए जब छाती की ऊंचाई की एक उठती हुई गेंद उनके दस्तानों पर लगी। फिर भी गिल ने अलग-अलग नेट पर बल्लेबाजी की और तेज गेंदबाजी, स्पिन और थ्रो डाउन के बीच हर संभव संयोजन के खिलाफ बल्लेबाजी की क्योंकि यह 26 वर्षीय खिलाड़ी पूर्णकालिक कप्तान के रूप में अपने पहले घरेलू टेस्ट में भारत की अगुवाई करने के लिए तैयार है।

यह भारतीय टीम के लिए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में पहला घरेलू मैच भी होगा। टीम ने इंग्लैंड में अपने जज्बे और कौशल से सभी को प्रभावित किया था और कड़ी टक्कर वाली श्रृंखला 2-2 से बराबर की थी। शीर्ष चार स्थान तय होने के बाद यह देखना बाकी है कि टीम प्रबंधन नितीश रेड्डी और पडिक्कल में से अतिरिक्त बल्लेबाज के रूप में किसे चुनेगा।

पडिक्कल ने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ पहले अनौपचारिक टेस्ट में 150 रन बनाने के बाद नेट में कोई गलती नहीं की जबकि रेड्डी ने भी शानदार लय दिखाई विशेषकर सिराज और प्रसिद्ध के साथ गेंदबाजी करते हुए। रेड्डी के शामिल होने से टीम को तीसरा तेज गेंदबाजी विकल्प मिलेगा और यह देखना बाकी है कि क्या टीम प्रबंधन मैच शुरू होने से पहले मध्यक्रम में इस विकल्प को शामिल करता है।

इन दोनों के एकादश के चयन की बहस में शामिल होने की संभावना है क्योंकि रविंद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप, सिराज और बुमराह सहित बाकी क्रम तय लग रहा है। एशिया कप फाइनल चार विकेट चटकाकर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले कुलदीप वेस्टइंडीज की कमजोर टीम के खिलाफ बड़ी चुनौती साबित हो सकते हैं जिसे भारतीय परिस्थितियों में खेलने का अधिक अनुभव नहीं है। इससे पहले दिन में वेस्टइंडीज की टीम को इनडोर नेट पर अभ्यास करने के लिए मजबूर होना पड़ा क्योंकि बारिश के कारण उनका नेट सत्र केवल आधे घंटे का रह गया था।

चाइना ओपन : यानिक सिनेर ने फाइनल में बनाई जगह, हार्डकोर्ट पर लगातार नौवां फाइनल खेलेंगे

बीजिंग-चाइना ओपन टेनिस टूर्नामेंट में रोमांचक मुकाबले देखने को मिल रहे हैं। शीर्ष वरीयता प्राप्त यानिक सिनेर ने एलेक्स डि मिनौर को 6-4, 3-6, 6-2 से मात देकर फाइनल में जगह बनाई। यह हार्डकोर्ट पर उनका लगातार नौवां फाइनल है, जो उनके शानदार फॉर्म का सबूत है। अब फाइनल में सिनेर का सामना दानिल मेदवेदेव और उभरते खिलाड़ी लर्नर टियेन के बीच होने वाले सेमीफाइनल के विजेता से होगा। महिला वर्ग में दूसरी वरीयता प्राप्त अमेरिका की कोको गाफ ने स्विट्जरलैंड की बेलिंडा बेंचिच को 4-6, 7-6, 6-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। गाफ ने शुरुआती सेट गंवाने के बावजूद जबरदस्त वापसी करते हुए टाईब्रेकर जीता और निर्णायक सेट में दबदबा बनाया। इस जीत के साथ बेंचिच के खिलाफ उनका करियर रिकॉर्ड 4-2 हो गया है। टूर्नामेंट के आगे के चरणों में अब टॉप सीड खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने की उम्मीद है, खासकर सिनेर और मेदवेदेव की संभावित भिड़ंत पर सभी की नजरें टिकी हैं।

गंभीर ने तिलक को लंबे समय तक खेलते रहने कहा था : सूर्यकुमार

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने एशिया कप में जीत के बाद स्वदेश लौटने पर बल्लेबाज तिलक वर्मा की जमकर प्रशंसा की है। तिलक की 69 रनों की नाबाद पारी के बल पर ही भारतीय टीम ने फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ शानदार जीत दर्ज की। तिलक जब मैदान में उतरे थे तब भारतीय टीम ने 20 रनों पर ही तीन विकेट खो दिये थे और वह मुश्किल में थी। सूर्यकुमार के अनुसार जब तिलक खेल रहे थे तो कोच गौतम गंभीर ने उन्हें संदेश भेजा था कि इसी प्रकार लंबे समय तक खेलो तो लक्ष्य अपने आप ही हासिल हो जाएगा। तिलक नंबर चार पर बल्लेबाजी के लिए उतरे थे और जीत दिला कर ही वापस लौटे थे।

उनकी संजू सैमसन और शिवम दुबे के साथ अच्छी साझेदारियां हुई थीं। सूर्यकुमार ने कहा, कोच ने उन्हें संदेश भेजा था कि बस लंबे समय तक खेलें और अगर वे वहीं टिके रहे, तो काम हो जाएगा। साथ ही कहा कि मैं तिलक के लिए बहुत खुश हूं, हम सभी ने देखा कि वह क्या कर सकते हैं। तिलक ने 53 गेंदों में ही 3 चौके और 4 छक्कों की सहायता से नाबाद 69 रन बनाये थे। एशिया कप 2025 में तिलक ने पाकिस्तान के खिलाफ ग्रुप स्तर के मैच में 31 रन, ओमान के खिलाफ 29 रन बनाए। पाक के खिलाफ सुपर 4 के मैच में नाबाद 30 रन जबकि श्रीलंका के खिलाफ नाबाद 49 रन बनाए थे। 6 मैचों में उन्होंने कुल 213 रन बनाये। वे टूर्नामेंट में चौथे सबसे ज्यादा रन बनान वाले बल्लेबाज रहे।

योगेश कथुनिया ने फिर दिखाया दम, लगातार तीसरे साल भारत को दिलाया पदक

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप (WPAC) 2025 का रोमांच अपने चरम पर रहा। भारत के स्टार पैरा एथलीट और दो बार के पैरालंपिक पदक विजेता योगेश कथुनिया ने एक बार फिर देश का मान बढ़ाते हुए पुरुषों की डिस्कस थ्रो स्न56 स्पर्धा में रजत पदक जीता। 28 वर्षीय कथुनिया ने 42.49 मीटर का शानदार थ्रो किया और लगातार तीसरे साल इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में रजत हासिल कर इतिहास रच दिया।

लगातार तीसरा रजत पदक

कथुनिया की इस उपलब्धि की खासियत यह है कि यह उनका लगातार तीसरा रजत पदक है। उन्होंने 2023 (फ्रांस) और 2024 (जापान) में हुए विश्व चैंपियनशिप संस्करणों में भी रजत पदक जीते थे। इस बार भी वह ब्राज़ील के अनुभवी एथलीट क्लॉडनी बतिस्ता से पीछे रहे, जिन्होंने 45.67 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो कर स्वर्ण पदक जीता। वहीं, ग्रीस के कॉन्स्टेंटिनोस त्ज़ोनिस ने 39.97 मीटर के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। दिलचस्प

बात यह है कि टोक्यो 2020 पैरालंपिक और पेरिस 2023 विश्व चैंपियनशिप में भी कथुनिया बतिस्ता के बाद ही दूसरे स्थान पर रहे थे।

गुइलेन-बैरे सिंड्रोम से चैंपियन तक का सफर

योगेश कथुनिया का सफर बेहद प्रेरणादायक है। नौ साल की उम्र में उन्हें गुइलेन-बैरे सिंड्रोम, एक दुर्लभ न्यूरोलॉजिकल स्थिति, हो गई थी। इसके बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और 2017 में कॉलेज के दिनों से पैरा स्पोर्ट्स में कदम रखा। देखते ही देखते वह भारत के सबसे भरोसेमंद डिस्कस थ्रो एथलीट बन गए और अब उनके खाते में दो पैरालंपिक रजत और तीन विश्व चैंपियनशिप रजत पदक शामिल हैं।

भारतीय दल का अब तक का प्रदर्शन

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 भारत के लिए शानदार साबित हो रही है। अब तक भारतीय खिलाड़ियों ने छह पदक अपने नाम किए हैं, दो स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य। सोमवार का दिन तो भारतीय एथलेटिक्स के लिए यादगार बन गया।

रिंकू हुड्डा ने पुरुषों की भाला फेंक F46 वर्ग में 63.81 मीटर का रिकॉर्ड थ्रो कर स्वर्ण पदक जीता। यह प्रदर्शन चैंपियनशिप रिकॉर्ड भी बना।

सुंदर सिंह गुर्जर ने उसी स्पर्धा में 64.76 मीटर का थ्रो कर रजत पदक अपने नाम किया।

इससे पहले, ऊंची कूद T63 में शैलेश कुमार ने स्वर्ण और वरुण सिंह भाटी ने रजत पदक जीते।

महिलाओं की 400 मीटर T20 स्पर्धा में दीप्ति जीवनजी ने रजत पदक हासिल किया।

हालांकि भाला फेंक में भारत के अजीत सिंह चौथे स्थान पर रह गए, वरना भारत के पदकों की संख्या में एक और पदक जुड़ सकता था।

भारत की उम्मीदें और आगे का रास्ता

योगेश कथुनिया की लगातार पदक जीत भारत की पैरा एथलेटिक्स ताकत को दर्शाती है। रिंकू और सुंदर जैसे एथलीटों की सफलता ने भी यह साबित कर दिया है कि भारत आने वाले समय में इस खेल की बड़ी ताकत बनकर उभर सकता है। देश के इन जांबाज़ एथलीटों ने न केवल पदक जीते हैं बल्कि पूरे देश को गर्व करने का मौका दिया है।

भारत की जूनियर महिला हॉकी टीम ने कैनबरा चिल को 3-1 से हराया

कैनबरा (ऑस्ट्रेलिया) । ईशिका के दो गोलों की मदद से भारत की जूनियर महिला हॉकी टीम ने मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया के क्लब कैनबरा चिल को 3-1 से हरा कर इस दौरे की दूसरी जीत दर्ज की। ईशिका ने 13वें और 39वें मिनट में गोल किए, जबकि सोनम ने 27वें मिनट में गोल दागा। भारतीय टीम ने 11वें मिनट में गोल खाने के बावजूद मैच में दबदबा बनाए रखा। कैनबरा चिल के लिए, नाओमी इवांस ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला। यह हालांकि घरेलू टीम के लिए एकमात्र सफलता थी, क्योंकि भारत ने दो मिनट बाद ही पलटवार किया जब ईशिका ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल दिया। सोनम ने स्कोर 1-1 से बराबर होने के बाद मध्यांतर से पहले मैदानी गोल करके भारत को बढ़त दिला दी। ईशिका ने मैच के तीसरे क्वार्टर में अपना दूसरा गोल कर भारत को 3-1 से आगे कर दिया। भारत ने दौरे पर अब तक दो मैच जीते हैं और दो हारे हैं। टीम बृहस्पतिवार को कैनबरा चिल के खिलाफ अपना अंतिम दौरा मैच खेलेगी।

काशी की प्रियंका वर्ल्ड शूटिंग चैंपियनशिप में लेगी भाग

वाराणसी । काशी की शूटर प्रियंका पटेल काहिरा में चार से आठ नवंबर तक होने वाली आई एस एस एफ वर्ल्ड शूटिंग चैंपियनशिप में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेगी। जिला राइफल क्लब की कार्यकारिणी के सदस्य पंकज श्रीवास्तव ने बताया कि प्रियंका प्रदेश की पहली महिला खिलाड़ी हैं जो 50 मीटर फ्री पिस्टल फायर आर्म्स में विश्व चैंपियनशिप में भाग ले रही हैं। कोच संजीव ने बताया कि 3 साल से प्रियंका 50 मीटर और 10 मीटर फ्री पिस्टल में पदक जीत रही है। इसी वर्ष 23 सितंबर को भोपाल में हुए ट्रायल्स में प्रियंका ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।इसी प्रदर्शन के आधार पर भारतीय टीम में चयन हुआ है। मुलरूप से भूलनपुर के मड़ोली निवासी प्रियंका के पिता की किसान है।उनके चयन पर संगठन की वरिष्ठ उपाध्यक्ष जगदीप मधोक, संयुक्त सचिव आनंद सिंह ने बधाई दी है।

सैमसन किसी एक टूर्नामेंट में सबसे अधिक छक्के लगाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज बने

दुबई । एशिया कप फाइनल में भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने अपनी 24 रनों की पारी के साथ ही एक नया रिकार्ड अपने नाम कर लिया। सैमसन इस पारी में लगाये छक्के के साथ ही भारतीय टीम की ओर से किसी एक टी20 टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज बन गए हैं। इस प्रकार सैमसन ने दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज और पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी और और आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को पीछे छोड़ दिया है। धोनी और पंत ने एक टी20 मल्टीनेशन टूर्नामेंट में 6-6 छक्के लगाए थे, जबकि संजू सैमसन ने टी20 एशिया कप 2025 में 7 छक्के लगाकर उनको पीछे छोड़ दिया। धोनी ने टी20 वर्ल्ड कप 2009 और ऋषभ ने टी20 विश्व कप 2024 में 6 छक्के पूरे सत्र में लगाये थे। सैमसन एशिया कप 2025 से पहले सलामी बल्लेबाज के तौर पर भारतीय टीम में शामिल थे पर शुभमन गिल की वापसी के बाद उनको मध्य क्रम में भेज दिया गया पर उन्होंये यहां भी अपने को साबित किया। एक मैच में नंबर तीन पर उतरकर उन्होंने अर्धशतक भी जड़ा था, जबकि तीन अन्य पारियों में उन्होंने नंबर 5 पर बल्लेबाजी की। इनमें से एक मैच में उन्होंने 13 रन, एक मैच में 39 और फाइनल में 24 रनों की पारी खेली। एशिया कप के 7 मैचों में से 4 मैचों में बल्लेबाजी की। कुल 132 रन 33 के औसत और 124.53 के स्ट्राइक रेट से उन्होंने बनाए।

ऐश्वर्या पिस्से ने रचा इतिहास, डब्ल्यू2आसी पुर्तगाल जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मोटरस्पोर्ट्स का नाम अब दुनिया के सबसे कठिन रैली-रेड टूर्नामेंट में चमक रहा है। बेंगलुरु की 29 वर्षीय राइडर ऐश्वर्या पिस्से ने पुर्तगाल में खेले गए एफआईएम वर्ल्डरैली-रेड चैंपियनशिप (W2RC) 2025 के चौथे राउंड में शानदार उपलब्धि हासिल की। उन्होंने रैली2 - महिला वर्ग में खिताब जीतकर न केवल भारत बल्कि पूरे एशिया की पहली महिला विजेता बनने का गौरव पाया। यह जीत ऐश्वर्या के लिए व्यक्तिगत सफलता से कहीं अधिक है—यह आने वाली पीढ़ी की महिलाओं को सपनों को हकीकत में बदलने की प्रेरणा देती है।

कठिन परिस्थितियों में शानदार प्रदर्शन

बीपी अल्टीमेट रैली-रेड पुर्तगाल अपने कठोर ट्रैक और लंबी दूरी के कारण मशहूर है। इस प्रतियोगिता में राइडर्स को छह दिनों तक 2,000 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ी, जिसमें 1,225 किलोमीटर प्रतिस्पर्धी चरण शामिल थे। रास्ते पूरी तरह बजरी वाले थे और पुर्तगाल व स्पेन की चुनौतीपूर्ण भूमि से होकर गुजरते थे। इन कठिन हालातों में ऐश्वर्या ने न केवल अपनी कैटेगरी में शीर्ष स्थान पाया, बल्कि कुल मिलाकर 27वां स्थान हासिल किया, यह किसी भी भारतीय महिला राइडर के लिए अभूतपूर्व सफलता है।

प्राइवेटियर से बनी रोल मॉडल

रैली-रेड को दुनिया की सबसे कठिन रेसिंग सीरीज़ माना जाता है। एक प्राइवेटियर के तौर पर भाग लेने वाली ऐश्वर्या की सफलता उनकी दृढ़ता और आत्मनिर्भरता का सशक्त उदाहरण है। टीवीएस रेसिंग और अन्य भागीदारों के सहयोग से उन्होंने यह दिखा दिया कि सही हौसला और मेहनत से अंतरराष्ट्रीय मंच पर जगह बनाई जा सकती है। आज वे न सिर्फ भारत बल्कि पूरे एशिया की महिला राइडर्स के लिए रोल मॉडल बन चुकी हैं।

ऐश्वर्या का संदेश: सपनों की कोई सीमा नहीं

जीत के बाद ऐश्वर्या ने कहा, 'यह पल मेरे लिए बहुत मायने रखता है। इस स्तर पर एशिया और भारत की पहली महिला विजेता बनना केवल मेरी जीत नहीं, बल्कि उन सभी लड़कियों के लिए संदेश है जो बड़े सपने देखती हैं।÷ उनकी यह बात साफ करती है कि यह उपलब्धि केवल व्यक्तिगत गौरव नहीं बल्कि सामाजिक बदलाव की प्रेरणा भी है।

डकार रैली 2027 पर नजर

पुर्तगाल की यह सफलता ऐश्वर्या के अगले बड़े लक्ष्य की ओर एक मजबूत कदम है। वह डकार रैली 2027 में हिस्सा लेने की तैयारी कर रही हैं, जहाँ उनका सपना दो पहियों

पर इसे पूरा करने वाली पहली भारतीय महिला बनने का है। पुर्तगाल में मिली जीत ने उन्हें अमूल्य अनुभव, आत्मविश्वास और गति प्रदान की है। अब वे और मजबूती से दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित रैली में भारतीय तिरंगा लहराने की तैयारी में जुटी हैं।

कैम्पर की टक्कर से बाइक सवार विवाहिता की मौत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा चूरू

चूरू के तारानगर में एक सड़क हादसे में 22 वर्षीय विवाहिता की मौत हो गई। मंगलवार को गांव जिगसाना के पास एक बोलेरो कैम्पर ने बाइक सवार दंपती को टक्कर मार दी। हादसे में विवाहिता की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका पति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल पति को प्राथमिक उपचार के बाद चूरू के राजकीय डीबी अस्पताल रेफर किया गया है, जहां उसका इलाज जारी है। तारानगर पुलिस ने सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचकर घायल को अस्पताल पहुंचाया और शव को मॉर्च्युरी में रखवाया। पुलिस के अनुसार, तारानगर के वार्ड 25 निवासी साहिल (23) अपनी पत्नी सुमन (22) के साथ बाइक पर ससुराल जा रहा था। तारानगर से निकलते ही गांव जिगसाना ताल के पास यह हादसा हुआ। हादसे की सूचना पर तारानगर पुलिस ने घटना की जानकारी जुटाई। पुलिस ने मृतका के परिजनों की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर शव परिजनों को सौंप दिया।

मामूली कहासुनी में चाकू से हमला, 2 आरोपी गिरफ्तार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा उदयपुर

उदयपुर के सूरजपोल थाना पुलिस ने देहली गेट के पास महेश किराना स्टोर के बाहर हुई चाकूबाजी की घटना में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी रतन सिंह चौहान ने बताया कि मुख्य आरोपी कैलाश, उर्फ कणकी और उसके साथी शादाब खान उर्फ भूरिया को पकड़ा गया है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी, जिसके बाद दोनों को गुलाबबाग इलाके से गिरफ्तार किया गया। कैलाश ने पुलिस को बताया कि चाकूबाजी में इस्तेमाल हुआ चाकू कहां छिपाया था। पुलिस ने उसकी बताई जगह से चाकू बरामद कर लिया। अब पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। थानाधिकारी ने बताया कि विकास साहू ने पुलिस में शिकायत दर्ज की थी। विकास ने कहा कि 6 सितंबर को वह अपने दोस्त निखिल और लविश के साथ देहली गेट इलाके में खड़ा था। तभी कैलाश उर्फ कणकी अपने कुछ साथियों के साथ वहां आया। विकास और कैलाश के बीच किसी बात पर कहासुनी हो गई। कुछ ही देर में हमलावर के अन्य साथी भी वहां आ गए। उनमें से एक ने धारदार हथियार से विकास के बाएं हिस्से पर हमला कर दिया, जिससे वह घायल होकर गिर पड़ा। हमलावर घटना के बाद फरार हो गए। आसपास के लोगों ने विकास को तुरंत अस्पताल पहुंचाया।

पीलीबंगा में महिला तस्कर गिरफ्तार, हनुमानगढ़ पुलिस ने 50 ग्राम हेरोइन जब्त की

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा हनुमानगढ़

हनुमानगढ़ जिले के पीलीबंगा में पुलिस ने एक महिला को 50 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) के साथ गिरफ्तार किया है।

आरोपी महिला की पहचान विजयलक्ष्मी के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक हनुमानगढ़ हरी शंकर ने बताया कि जिले में नशा तस्करी, अवैध मादक पदार्थों, हथियारों, जुआ, सट्टा और अन्य अवैध धंधों पर अंकुश लगाने के लिए एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए सभी अधिकारियों को सख्ती से कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। इसी अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नोहर गीता चौधरी और वृत्ताधिकारी रावतसर हंसराज बैरवा के सुपरविजन में यह कार्रवाई की गई। पीलीबंगा थानाधिकारी कैलाश चंद्र के नेतृत्व में उपनिरीक्षक मुकेश और उनकी टीम ने गश्त के दौरान पीलीबंगा से गोलूवाला रोड पर रोही 9 पीबीएन मंडी पीलीबंगा से विजयलक्ष्मी को पकड़ा। गिरफ्तार महिला विजयलक्ष्मी पत्नी रमेश कुमार लुहार (40) सेक्टर 06/517, हाल किरायेदार सेक्टर नंबर 07/159 राजस्थान हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, हनुमानगढ़ जंक्शन की निवासी है। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट में दर्ज किया है। इस मामले का अनुसंधान थानाधिकारी रावतसर रामचन्द्र कस्वां को सौंपा गया है। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक मुकेश, हेड कांस्टेबल संजय कुमार, कॉन्स्टेबल कप्तान सिंह और महिला कॉन्स्टेबल सुलेखा शामिल थीं।

सियाखेड़ी में कुएं में गिरने से बालिका की मौत, पैर फिसलने से कुएं में गिरी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा प्रतापगढ़

प्रतापगढ़ जिले के धोलापानी थाना क्षेत्र के सियाखेड़ी गांव में मंगलवार सुबह 15 वर्षीय बालिका काली की कुएं में गिरने से मौत हो गई। काली पुत्री वरदीचंद खेत पर अपने पिता की मदद कर रही थी। सुबह करीब 8 बजे काली कुएं का इंजन बंद करने गई। तभी उसका पैर फिसल गया और वह कुएं में गिर गई। परिजन और ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और मशक्कत के बाद बालिका को कुएं से बाहर निकाला गया। उसे बरावरदा पीएचसी और फिर जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। धोलापानी पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। हेडकांस्टेबल सोहनलाल ने बताया कि दोपहर 3 बजे परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमॉर्टम करवाया गया। काली सियाखेड़ी स्कूल की सातवीं कक्षा की छात्रा थी। परिवार में उसकी एक छोटी बहन और एक भाई है।

डोटासरा टीचर्स के ट्रांसफर के पैसे लेते थे, उनके गुण मुझमें नहीं, अच्छे लोगों की सब जगह जरूरतः दिलावर

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा सीकर

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के बयान पर पलटवार किया है। दिलावर ने कहा- 'डोटासरा मेरे अच्छे लेकिन बेईमान दोस्त है। वे टीचरों के ट्रांसफर के लिए पैसे ले रहे थे।' वे (डोटासरा) सही कह रहे हैं। उनमें बहुत गुण थे, वह मुझमें नहीं है। दरअसल, 28 सितंबर को डोटासरा ने एक समारोह दिलावर पर बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि 'शिक्षा मंत्री है, लेकिन शिक्षा का एक भी शब्द नहीं।' इस पर आज शिक्षा मंत्री ने इस पर पलटवार किया। वे पिपराली में पूर्व सांसद सुमेधानंद सरस्वती के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित तीन दिवसीय खेल महाकुंभ व सांसद खेल प्रतियोगिता में शामिल होने सीकर आए है। शिक्षा मंत्री बोले- पिछले शासन में जब मुख्यमंत्री अशोक गहलोत थे। तब डोटासरा उनके पास बैठे थे। इसी दौरान गहलोत ने

टीचरों से पूछा कि क्या ट्रांसफर में रुपए चलते हैं। तब टीचरों ने हामी भरी थी। मतलब डोटासरा जी टीचरों के ट्रांसफर के लिए पैसे ले रहे थे। अब यह गुण मेरे में नहीं है। डोटासरा मेरे दोस्त हैं,बहुत अच्छे दोस्त हैं लेकिन बेईमान दोस्त हैं। दिलावर ने कहा- पूर्व सांसद सुमेधानंद सरस्वती का कल जन्मदिन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ-साथ वर्तमान में पूर्व सांसद का भी जन्मदिवस पखवाड़ा चल रहा है। इस अवसर पर इन्हें बधाई देने और आशीर्वाद देने के लिए यहां पर आया हूं।

प्रिंसिपल के तबादलों पर बोले- अच्छे लोगों की जरूरत

हाल में लक्ष्मणगढ़ से एक साथ बड़ी संख्या में प्रिंसिपल के तबादले करने की बात पर मदन दिलावर ने कहा- अच्छे लोगों की जरूरत सब जगह होती है। संतों और अच्छे लोगों का यही काम होता है कि घूम-घूमकर अच्छाई को बांटे। ताकि उनसे अच्छाई लेकर सब ठीक रास्ते पर चले।

देश में निर्मित प्रोडक्ट्स करें इस्तेमाल

मदन दिलावर ने कहा- आधे लोगों के पास जो पेन है। वह हमारे देश में निर्मित पेन नहीं है। हम घर पर सुबह पहले जो कोलगेट करते हैं, नहाने के लिए साबुन इस्तेमाल करते हैं या अन्य दिनचर्या में कोई प्रोडक्ट इस्तेमाल करते हैं, उनमें ज्यादातर विदेशी होते हैं। हम लोग दिवाली पर जो पटाखे जलाएंगे। वह ज्यादातर विदेशी होंगे। होली पर गुलाल लगाएंगे, वह भी विदेशी होगा। रक्षाबंधन निकला है, उस पर भी कई लोगों ने विदेशी राखियां खरीदी। यह सब दर्शाता है कि हमारे मन में देश में निर्मित प्रोडक्ट्स के प्रति जो भावना है वह ठीक नहीं है। दूसरे शब्दों में कहूं तो हमारा देश के प्रति श्रद्धाभाव कम होता जा रहा है। चीन जैसा देश प्रोडक्ट को बेचकर जो कमाई करता है, उससे हमारे ही दुश्मन देश का सहयोग करता है। पहलगाम हमले पर बोलते हुए मदन दिलावर ने कहा- पाकिस्तान कुछ भी नहीं कर पाता लेकिन चीन ने उसकी मदद की। पाकिस्तान ने हमला करके हमारे देश को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की। पाकिस्तान कुछ भी नहीं कर पाया। उनके जितने भी हथियार थे। वह हवा में ही फुस्स हो गए।

वीरम सिंह को न्याय के लिए 9 वें दिन भी धरना जारी, भाटी ने दिया फाइनल अल्टीमेटम

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बाड़मेर

'हमारी मांगें नहीं मानी तो आंदोलन को तेज किया जाएगा और आज से कंपनी की साइटों पर काम बंद करवाएंगे। जरूरत पड़ी तो कंपनी और प्रशासन की ईंट से ईंट बजा देंगे।" यह कहना है बाड़मेर जिले के शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी का। भाटी ने जैसलमेर जिले के लखा गांव में धरनास्थल पर लगातार दूसरी रात गुजारी। यहां लखा गांव में घायल वीरम सिंह को न्याय दिलाने की मांग को लेकर दिया जा रहा धरना मंगलवार को 9वें दिन भी जारी है। बड़ी संख्या में ग्रामीण, जनप्रतिनिधि और साधु संत इस आंदोलन में शामिल होकर कंपनी और प्रशासन के प्रति आक्रोश जता रहे हैं। वहीं शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी लगातार 2 दिनों से धरने पर ही है और रात भी धरने पर ही खाट पर सोकर गुजार रहे हैं। दरअसल 19 सितम्बर को हाइटेंशन तार की चपेट में आने से घायल हुए लखा गांव के वीरम सिंह का इलाज फिलहाल जोधपुर के MDM हॉस्पिटल में चल रहा है। लेकिन इस हादसे ने पूरे इलाके में आक्रोश की चिंगारी भड़का दी है। ग्रामीण आक्रोशित होकर निजी कम्पनी के गेट के बाहर ही मुआवजे की मांग को लेकर धरना दे रहे हैं। लखा गांव में घायल वीरमसिंह को न्याय दिलाने की मांग को लेकर ग्रामीणों का आंदोलन लगातार तेज होता जा रहा है। 22 सितंबर से धरना शुरू किया, जिसका मंगलवार को 9वां दिन है। इस धरने में बड़ी संख्या में ग्रामीण, जनप्रतिनिधि और साधु-संत आंदोलन स्थल पर जुटकर कंपनी और प्रशासन के प्रति गहरा आक्रोश जता रहे हैं। शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी सोमवार को भी लगातार दूसरे दिन भी ग्रामीणों के साथ धरने पर डटे रहे। उन्होंने रात भी खाट बिछाकर धरना स्थल पर ही गुजारी। भाटी ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए साफ कहा– "यदि मंगलवार तक मांगें पूरी नहीं हुईं तो कंपनी की सभी साइटों पर काम बंद करवा दिया जाएगा। जरूरत पड़ी तो कंपनी और प्रशासन की ईंट से ईंट बजा देंगे।" इस बीच जैसलमेर विधायक छोटूसिंह भाटी ने बताया कि कंपनी प्रतिनिधियों और ग्रामीणों के बीच वार्ता जारी है। संभावना जताई जा रही है कि मंगलवार तक कोई ठोस समाधान निकल सकता है। हालांकि ग्रामीणों का कहना है कि अब वे केवल आश्वासन से संतुष्ट नहीं होंगे। लखा निवासी धरनार्थी रामसिंह ने दो टूक कहा– "न्याय और ठोस कार्रवाई ही आंदोलन का अंतिम उद्देश्य है।" धरने की अवधि बढ़ने और जनप्रतिनिधियों के सक्रिय समर्थन से यह आंदोलन अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया है। मंगलवार को कंपनी और प्रशासन की ओर से ठोस कार्रवाई नहीं होने पर लखा समेत आसपास के गांवों में कंपनी के सभी कार्य ठप करने का ऐलान किया गया है।

तीये की बैठक

जन्मतिथि:- 01 जनवरी 1931 | निर्वाण दिवस:- 29 सितंबर 2025

हमारे देवतुल्य श्री मोहरी लाल यादव जी

अपनी जीवन गौरव यात्रा पूर्ण कर 29 सितंबर 2025 को गौलोक को प्राप्त हो गए है

हमारा सर्वस्व आपके त्याग और आशीर्वाद का ऋणी है

तीये की बैठक

बुधवार, दिनांक 1 अक्टूबर 2025 | शाम 4:00 बजे से 6:00 बजे तक

अणुविभा केंद्र, WTP के पास, मालवीय नगर

-: श्रद्धावनत :-

श्रीमती राजा देवी (धर्मपत्नी), मूलचंद (भाई)
राधामोहन, राधेश्याम (पुत्र) कैलाश, बाबूलाल, सुरेश,
शंकर, मुकेश (भतीजे) हेमराज, राजाराम, पवन, दीपक, राहुल, अनिल,
समय, अभिषेक, आदित्य, विकास, हिमांशु, मानस, दिव्यान, धार्विक (पौत्र)
धार्मिक, तनिष्क, धनंजय (पड़पौत्र) एवं समस्त डफड़िया परिवार (हिंगोटी वाले)

हनुमान सहाय यादव (पुत्र) — पूर्व जिला पार्षद एवं मुख्य संगठन मंत्री अखिल भारतीय यादव महासभा अहिर
श्यामलाल (पुत्र) — चेयरमेन एसएसबीसी ग्रुप
मदन यादव (पुत्र) — एमडी- एसएसबीसी ग्रुप प्रदेशाध्यक्ष, राज. युवा यादव महासभा
ममता यादव (पुत्रवधु) — पार्षद जयपुर नगर निगम ग्रेटर

दिनेश यादव — महासचिव अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा
डॉ करण सिंह यादव — अध्यक्ष राजस्थान यादव महासभा
महेंद्र कुमार यादव — प्रदेश अध्यक्ष राजस्थान यादव महासभा एवं बानसूर भाजपा नेता
डॉ हरसहाय यादव — कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष राजस्थान यादव महासभा

SSB GROUP

*मैसर्स श्याम लाल यादव * एसएसबीसी रियल एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड
* एसएसबीसी इंफ्रा प्रोजेक्ट * राजा वीडियो * HRTech सॉल्यूशंस
* ईशानी ट्रांसपोर्ट * श्री श्याम इंटरप्राइजेज

मो. 9829068024, 9414069285, 9829065082, 9829135000, 8003399951

अजमेर में ट्रेन की टक्कर से गैंगमैन की मौत, शव के दो टुकड़े हुए

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अजमेर

अजमेर के लाडपुरा और गेगल के बीच पटरी पर काम कर रहे गैंगमैन की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। शव के दो टुकड़े हो गए और उसके पास मिले दस्तावेज से उसकी पहचान हुई। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है और मामले में जांच की जा रही है। जीआरपी थाना प्रभारी फूलचंद ने बताया कि मृतक सत्यनारायण खटीक नरवर निवासी है, जो वर्तमान में माकड़वाली में रह रहा था। वह सोमवार रात लाडपुरा गेगल के बीच पटरी पर काम कर रहा था। इसी दौरान ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। सूचना के बाद जीआरपी और गेगल थाना पुलिस मौके पर पहुंची। शव के पास मिले दस्तावेज से उसकी पहचान हुई। पुलिस ने शव को जेएलएन अस्पताल के चीरघर में रखवाया। जहां मंगलवार को पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

धरियावद के वार्ड 20 में पेयजल संकट, लोग निजी खर्च पर मंगवा रहे पानी के टैंकर

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा प्रतापगढ़

धरियावद के वार्ड नंबर 20 नायक मोहल्ला क्षेत्र में लंबे समय से पेयजल आपूर्ति बाधित है। इससे परेशान वार्डवासियों को अब निजी खर्च पर पानी के टैंकर मंगवाने पड़ रहे हैं। निवासियों का आरोप है कि विभागीय अधिकारियों की लापरवाही के कारण यह संकट गहराया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, नल कनेक्शन होने के बावजूद महीनों से नियमित पानी नहीं मिल रहा है, जिससे घरों में पीने के पानी का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। महिलाएं और बच्चे रोजाना पानी की तलाश में भटकने को मजबूर हैं। स्थिति इतनी बिगड़ गई है कि मोहल्लेवासियों को चंदा इकट्ठा कर टैंकर बुलाने पड़ रहे हैं, फिर भी पानी की जरूरत पूरी नहीं हो पा रही है। क्षेत्रवासियों ने विभागीय अभियंता अधिकारियों पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि शिकायतों को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है। वार्डवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे सामूहिक आंदोलन करने को मजबूर होंगे। इस संबंध में धरियावद पेयजल विभाग के कनिष्ठ अभियंता दर्शन जैन ने बताया कि पिछले तीन दिनों से पानी की सप्लाई बाधित है। लाइन में खराबी (फाल्ट) होने के कारण पानी की मोटर नहीं चल पा रही है। उन्होंने बताया कि रखरखाव का कार्य जारी है और जब तक यह पूरा नहीं होगा, तब तक मोटर नहीं चल पाएगी और आपूर्ति भी संभव नहीं होगी। जैन ने उच्च अधिकारियों को स्थिति से अवगत करा दिया है और जल्द समाधान की उम्मीद जताई है।

हनुमानगढ़ में कार सवारों पर हमला, चेन-नकदी लूटी, दो नामजद समेत 6-7 लोगों पर मुकदमा दर्ज

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा हनुमानगढ़

हनुमानगढ़ में कार सवार तीन व्यक्तियों पर रास्ते में हमला कर सोने की चेन और नकदी छीनने का मामला सामने आया है। हमलावरों ने कार में भी तोड़फोड़ की। इस संबंध में संगरिया पुलिस थाना में दो नामजद सहित पांच-छह अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, टिब्बी तहसील के सालीवाला निवासी सुभाष (53) पुत्र अमरसिंह जाट ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि यह घटना 27 सितंबर की देर शाम करीब 7.30 बजे हुई। सुभाष अपने साथी प्रवीण पुत्र प्रहलाद और राजेंद्र पुत्र मोहनलाल के साथ कार से गांव भागुवाला से मालारामपुरा लौट रहे थे। रास्ते में उन्होंने देखा कि एक कार उनके आगे चल रही थी और चार बाइक सवार उनका पीछा कर रहे थे। बचाव करते हुए वे खाली पड़ी नहर के रास्ते से मालारामपुरा लौटने लगे, तभी आगे चल रही कार ने उनके आगे आकर रास्ता रोक दिया। इस कार को किशनपुरा निवासी लालचंद सहारण चला रहा था, जिसके साथ रामपुरा निवासी अजीत मंडा और एक अन्य व्यक्ति था। इतने में पीछे से 4-5 बाइक सवार भी आ गए। हमलावरों के पास गण्डासी, डंडे और लाठियां थीं। उन्होंने आते ही कार पर लाठियों और गण्डासियों से हमला कर उसे क्षतिग्रस्त कर दिया। इसके बाद उन्होंने तीनों को गाड़ी से बाहर निकाला। हमलावरों ने प्रवीण को जान से मारने की नीयत से उसके सिर पर गण्डासी से वार किया और उसके गले में पहनी सोने की चेन तोड़ ली। जब सुभाष और राजेंद्र ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, तो हमलावरों ने उन पर भी लाठियों से वार कर चोटें पहुंचाईं।

भविष्य में परमाणु और जैविक हमलों के खिलाफ तैयार रहना जरूरी: सीडीएस जनरल अनिल चौहान

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने कहा है कि हमें भविष्य में परमाणु और जैविक खतरों के खिलाफ तैयार रहना होगा। नई दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में सैन्य नर्सिंग सेवा के 100वें स्थापना दिवस के अवसर पर दिए अपने संबोधन में सीडीएस चौहान ने कहा कि आज के डेटा-केंद्रित युद्ध के युग में, जहां सूचना तक पहुंच, दुश्मन को हम पर बढ़त दिला सकती है,

वहां चिकित्सा डेटा की भूमिका भी बेहद अहम है। सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने कहा 'भारतीय डीएनए बेहद खास है। हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली अलग-अलग वातावरण या संक्रमणों के प्रति अलग-अलग प्रतिक्रिया करती है। ऐसे में व्यक्तिगत चिकित्सा डेटा की सुरक्षा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है और इसमें केस हिस्ट्री, रिपोर्ट और चिकित्सा स्वास्थ्य रिकॉर्ड आदि शामिल हैं। परिचालन डेटा, स्वास्थ्य पैटर्न से संबंधित तैनाती, निकासी योजनाओं को भी लीक से सुरक्षित रखने की जरूरत है। हालांकि डेटा सुरक्षा और डेटा संरक्षण सीधे तौर पर एमएनएस (मिलिट्री नर्सिंग सर्विस) की जिम्मेदारी नहीं है, लेकिन आपको इन सभी प्रकार की चुनौतियों के बारे में पता होना चाहिए।' सीडीएस चौहान ने कहा कि 'हमारी नर्सों के प्रशिक्षण में भविष्य में आने वाली चुनौतियों को ध्यान में रखना होगा। कोविड महामारी के दौरान दुनिया कठिन दौर से गुजरी। मेरे विचार से, जैविक खतरे, चाहे वे मानव निर्मित हों, आकस्मिक हों या प्राकृतिक, भविष्य में बढ़ने की आशंका है। ऐसे खतरों से बचाव और संक्रमित लोगों के इलाज के लिए हमें अलग उपचार प्रोटोकॉल की जरूरत होती है। हमें भविष्य में इसके लिए तैयार रहना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर के बाद, हमारे प्रधानमंत्री ने कहा है कि भारत परमाणु ब्लैकमेलिंग से नहीं डरेगा। हमारे विचार से परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की संभावना बहुत कम है, फिर भी समझदारी इसमें है कि हम इससे बचाव की तैयारी करें। रेडियोलॉजिकल खतरे से बचाव के लिए अलग प्रोटोकॉल की जरूरत होती है और यह हमारे प्रशिक्षण का हिस्सा होना चाहिए। परमाणु खतरों के खिलाफ तैयारी इससे बचाव में योगदान करती है। मुझे लगता है कि यह महत्वपूर्ण है।'

फिलिस्तीन को मान्यता नहीं, गाजा भी नहीं छोड़ेगी सेना... ट्रंप के शांति प्रस्ताव को नेतन्याहू ने ही लगा दिया पलीता, वादों से पलटे!

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा तेल अवीव

अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से गाजा में युद्धविराम के लिए 20 सूत्रीय प्रस्ताव पेश किया गया है। इस प्रस्ताव पर इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के भी सहमत होने की बात कही गई है। हालांकि ट्रंप के गाजा शांति प्रस्ताव जारी करने के कुछ ही घंटों बाद नेतन्याहू पलटी मारते दिख रहे हैं। नेतन्याहू ने फिलिस्तीन को किसी भी सूरत में

मान्यता नहीं देने और गाजा में सेना बनाए रखने की बात कही है। नेतन्याहू की यह बातें ट्रंप की योजना से मिल नहीं खाती हैं। इससे यह पूरी योजना खटाई में पड़ सकती है। ट्रंप की योजना के अनुसार, इजरायल धीरे-धीरे गाजा के अधिकांश हिस्से को खाली कर देगा। सेना की वापसी होने पर इजरायल-गाजा सीमा पर केवल एक छोटा बफर जोन होगा। ट्रंप की योजना में इसे फिलिस्तीनी देश के निर्माण का रास्ता बताया गया है। नेतन्याहू ने मंगलवार को अपने टेलीग्राम चैनल पर हिब्रू में दिए बयान में इन दोनों बिंदुओं को खारिज कर दिया। बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि फिलीस्तीन को मान्यता समझौते में नहीं है। एक बात स्पष्ट कर दी गई है कि हम फिलिस्तीनी देश का कड़ा विरोध करेंगे। नेतन्याहू ने कहा कि ट्रंप के साथ अपनी बातचीत में वह फ्लिस्तीनी राज्य के निर्माण पर सहमत नहीं हुए हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि इजरायल गाजा पट्टी के अधिकांश हिस्से पर सेना के जरिए कब्जा बनाए रखेगा। इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने आगे कहा कि इजरायली सेना गाजा पट्टी के ज्यादातर हिस्से में बनी रहेगी। इससे साफ है कि अगर नेतन्याहू इस रुख पर कायम रहते हैं तो युद्धविराम मुश्किल हो सकता है। फिलिस्तीन को मान्यता और गाजा से इजरायली सेना की वापसी ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर हमास के अलावा अरब देश भी नेतन्याहू के इस रुख को नहीं मानेंगे। गाजा में अक्टूबर, 2023 से चल रही लड़ाई को रोकने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रस्ताव तैयार किया है। इसके तहत हमास को सभी इजरायली बंधकों को रिहा करना होगा। साथ ही उसे 20 बंधकों के शवे वापस करने हैं। प्रस्ताव में कहा गया है कि गाजा के शासन में हमास की कोई भूमिका नहीं होगी। ट्रंप ने इस योजना को शांति के लिए ऐतिहासिक दिन बताया है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों के इस प्रस्ताव पर सहमत होते ही गाजा पट्टी में सहायता भेजी जाएगी। साथ ही कहा है कि अगर हमास इस योजना को स्वीकार नहीं करता है तो उसे अंजाम भुगतना होगा। उन्होंने हमास से इसे मानने के लिए कहा है।

नाबालिग से शादी का मतलब पॉक्सो मामले में राहत नहीं

हाईकोर्ट ने खारिज की आरोपी की याचिका

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा मुंबई।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक व्यक्ति के खिलाफ दर्ज दुष्कर्म के मामले को रद्द करने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि कि केवल इसलिए कि आरोपी ने नाबालिग लड़की से शादी कर ली और अब दोनों का एक बच्चा भी है, उसे यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत दर्ज मामले में बरी नहीं किया जा सकता।

हाईकोर्ट की नागपुर बेंच ने 26 सितंबर को यह आदेश दिया, जिसमें जस्टिस उर्मिला जोशी फाल्के और जस्टिस नंदेश देशपांडे शामिल थे। आरोपी ने दावा किया था कि वह 17 साल की लड़की के साथ आपसी सहमति से संबंध में था और उसकी शादी तब पंजीकृत की गई, जब लड़की 18 साल की हो गई। लेकिन कोर्ट ने कहा कि पॉक्सो कानून के तहत नाबालिग के साथ तथाकथित सहमति का कोई महत्व नहीं है। कोर्ट ने उस याचिका को खारिज किया, जिसमें आरोपी और उसके परिजनों ने उनके खिलाफ अकोला पुलिस की ओर से दर्ज की गई प्राथमिकी को रद्द करने का आग्रह किया था। उन पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), पॉक्सो कानून और बाल विवाह निषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। अभियोजन पक्ष के मुताबिक, पीड़िता की उम्र शादी के समय सत्रह साल थी और इस साल मई में उसने एक बच्चे को जन्म दिया। लड़की के परिवार को जब यह पता चला कि उसके साथ यौन शोषण हुआ है, तो उन्होंने आरोपी से उसकी शादी कर दी। आरोपी ने कहा कि दोनों रिश्ते में थे। शादी लड़की के 18 साल पूरे होने के बाद कानूनी रूप से पंजीकृत की गई थी

करूर भगदड़: तमिलनाडु पहुंची एनडीए की आठ सदस्यीय फैक्ट-फाइंडिंग टीम, सीबीआई जांच की मांग की

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की आठ सदस्यीय फैक्ट फाइडिंग टीम के करूर पहुंचने पर भाजपा के राज्य महासचिव एपी मुरुगानंदम ने कहा कि पार्टी उनके साथ समन्वय करेगी। उन्होंने कहा, हम भी सभी तथ्यों की जांच करेंगे और उनका समर्थन करेंगे। टीम स्थिति का विश्लेषण करेगी और कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक (एसपी), प्रशासन और प्रभावित परिवारों से बातचीत करेगी। भाजपा किस तरह से उनकी मदद कर सकती है, हम यह भी तय करेंगे और फिर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक विस्तृत रिपोर्ट सौंपेंगे। भाजपा सांसद अपराजिता सारंगी भी इस टीम का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा, हम करूर जा रहे हैं, जहां हादसा हुआ। हम सब इस घटना से स्तब्ध और दुखी हैं। हम शोक संतप्त परिवारों और अस्पताल में भर्ती लोगों के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करते हैं। हम तथ्यों की जांच करेंगे, सभी संबंधित लोगों से बात करेंगे और फिर अपनी रिपोर्ट भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को सौंपेंगे। यह हादसा कभी नहीं होना चाहिए था। हम मौके पर जाएंगे और सभी पहलुओं की जांच करेंगे। एनडीए के प्रतिनिधिमंडल में शामिल भाजपा सांसद बृजलाल ने कहा, हम तथ्य जानने के लिए जा रहे हैं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति हमारी गहरी संवेदना है। हम उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। हम घटना स्थल पर जाएंगे, पीड़ित परिवारों से मिलेंगे, अस्पताल भी जाएंगे और वहां की स्थिति देखेंगे। इसके बाद हम तथ्य-आधारित रिपोर्ट देंगे। यह एक बहुत बड़ी त्रासदी है। प्रतिनिधिमंडल में शामिल राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा ने कहा, हां, इस मामले में सीबीआई जांच होनी चाहिए। सच्चाई सामने आनी जरूरी है। वरना राज्य प्रशासन सच को सामने नहीं आने देगा। हम पीड़ित परिवारों से मिलेंगे, घायलों से मिलेंगे, मौके पर जाएंगे और प्रशासन से बात करेंगे। हम जांच करेंगे कि यह हादसा क्यों हुआ। ऐसी घटनाएं बिना लापरवाही के नहीं होतीं। कांग्रेस महासचिव (संगठन) और सांसद केसी वेणुगोपाल भी कोयंबटूर पहुंचे हैं। करूर में 27 सितंबर को तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) प्रमुख और अभिनेता विजय के एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान भगदड़ मच गई थी। इस हादसे में 40 लोगों की जान चली गई थी। करूर भगदड़ को लेकर राजद सांसद मनोज कुमार झा ने कहा, पिछले एक साल में इस तरह की कई घटनाएं हुई हैं। मौत केवल एक आंकड़ा बन जाती है। इस देश में भीड़ जुटाना सबसे आसान काम है। लेकिन इसके लिए न आयोजक जिम्मेदार ठहराए जाते हैं, न पुलिस। दो दिन चर्चा होगी और तीसरे दिन सब भूल जाएंगे। वहीं, द्रमुक सांसद कनिमोझी ने कहा, इस हादसे ने कई परिवारों और उनके सपनों को तोड़ दिया है। मुझे लगता है कि यह दोषारोपण का समय नहीं है। यही मुख्यमंत्री ने भी कहा है। यह समय एक-दूसरे को दोष देने का नहीं, बल्कि लोगों के साथ खड़े होने का है। कोई जिम्मेदार नेता घटनास्थल से भाग नहीं सकता। अगर आप वहां से चले भी गए, तो कम से कम आपकी पार्टी के लोग वहां मौजूद होने चाहिए, क्योंकि लोग आपको देखने आए थे। मुझे लगता है कि उनकी पार्टी (टीवीके) का कोई नेता वहां मौजूद नहीं था। एक सदस्यीय जांच आयोग बना है और मुझे लगता है कि मैडम वहां पहुंच गई हैं और अपना काम शुरू कर चुकी है। हमें वहां रहकर लोगों तक पहुंचना चाहिए, न कि एक-दूसरे पर दोष डालना चाहिए। जो हुआ है, उसकी कुछ तो जिम्मेदारी लेनी होगी। करूर हादसे पर अन्नाद्रमुक के राष्ट्रीय प्रवक्ता कोवई सत्यन ने कहा, आज एक यूट्यूबर को गिरफ्तार किया गया है और तीन-चार लोगों को झूठ फैलाने के आरोप में पकड़ा गया है। लोगों को सच्चाई जानने का अधिकार है। द्रमुक सरकार केवल झूठ फैला रही है। इसलिए बेहतर होगा कि इस मामले की सीबीआई जांच हो। उन्होंने आगे कहा, द्रमुक सरकार का कर्तव्य है कि वह इस घटना के बाद उठाए गए कदमों को लेकर स्पष्ट और विश्वसनीय जवाब दे। लेकिन यह सरकार जो जवाब दे रही है, वह विरोधाभासी है। एक ओर द्रमुक प्रवक्ता मीडिया में कह रहे हैं कि कोई लाठीचार्ज नहीं हुआ। जबकि कल हम वीडियो देख रहे थे कि पुलिस लाठी चला रही थी और मौके पर कोई एंबुलेंस नहीं थी। असल में उस कार्यक्रम में क्या हुआ और यह हादसा कैसे हुआ.. यह एक बड़ा सवाल है, जिसका द्रमुक जवाब नहीं दे पा रही है।

कांग्रेस का जाट-दलित फैक्टर से किनारा, 48 साल बाद अहीरवाल को कमान, क्यों कायम है हुड्डा का दबदबा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा चंडीगढ़

हरियाणा कांग्रेस ने इस बार प्रदेश संगठन में बड़ा फेरबदल किया है। पिछले 20 साल से चले आ रहे दलित (प्रदेश अध्यक्ष) और जाट (सीएम या नेता प्रतिपक्ष) के समीकरण को बदलते हुए ओबीसी वर्ग से आने वाले किसी नेता को प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। 48 साल बाद किसी अहीरवाल नेता को कांग्रेस ने प्रदेश अध्यक्ष की कमान सौंपी है। इससे पहले राव निहाल कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष के पद पर नियुक्त थे। हालांकि जब उन्हें प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया तो उस दौरान राव ओबीसी वर्ग में नहीं आते थे। वहीं, नेता प्रतिपक्ष के तौर पर पार्टी ने पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा को चुना है। इससे एक यह भी संकेत मिलता है कि पार्टी के अंदर हुड्डा का दबदबा कायम है और वे अब भी कांग्रेस में (लगातार तीन विधानसभा चुनाव हारने के बावजूद) अहमियत रखते हैं। कांग्रेस में पिछले 20 साल से दलित वर्ग से ही प्रदेश अध्यक्ष बनते रहे हैं। 2001 से 2004 तक पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा अध्यक्ष थे। उसके बाद कांग्रेस ने फूलचंद मुलाना, अशोक तंवर, कुमारी सैलजा और उदयभान को प्रदेश अध्यक्ष चुना। मगर 2014 के बाद कांग्रेस को विधानसभा चुनाव में सफलता नहीं मिली। वहीं, दूसरी तरफ भाजपा ने गैर जाट वोट ओबीसी में डोरे डालते हुए उन्हें अपना मुख्य वोट बैंक बना लिया। पिछले तीन विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत में ओबीसी वोट बैंक सबसे बड़ा निर्णायक साबित होता रहा है। इसलिए पार्टी ने इस बार अपने समीकरण में बदलाव करते हुए ओबीसी वर्ग के नेता राव नरेंद्र को प्रदेश अध्यक्ष चुना। राव नरेंद्र सिंह हरियाणा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष के लिए सबसे मुख्य विकल्प के तौर पर थे। ओबीसी में यादव यानी राव सबसे बड़ा वोट बैंक है। कांग्रेस हाईकमान ने पहले से ही मन बना लिया था कि प्रदेश अध्यक्ष के पद के लिए ओबीसी पर ही दांव लगाना है। मगर किसे बनाना है। इसके लिए पार्टी ने काफी मंथन किया और क्षेत्रीय समीकरण को भी ध्यान में रखा। हाईकमान के पास तीन नाम भेजे गए थे, जिनमें राव नरेंद्र के अलावा चिरंजीव राव और राव दान सिंह का नाम था। राव दान सिंह पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा के काफी करीबी हैं साथ ही उनके परिवार पर ईडी के मामले चल रहे हैं। इसलिए कांग्रेस ने उनके नाम से परहेज किया। वहीं, चिरंजीव राव पूर्व मंत्री कैप्टन अजय सिंह यादव के बेटे हैं। अजय यादव समय-समय पर कांग्रेस आलाकमान को असहज स्थिति में डालते रहे हैं। इसलिए कांग्रेस ने चिरंजीव राव के मुकाबले राव नरेंद्र पर विश्वास जताया। वहीं, अहीरवाल बेल्ट हरियाणा कांग्रेस के लिए सबसे कमजोर कड़ी साबित होती रही है। 2024 विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस यादव बहुल इलाके में 11 में से 10 सीटें हार गई थी। वहीं, राव नरेंद्र सिंह पर किसी गुट का ठप्पा नहीं है। कांग्रेस पिछले कई समय से गुटबाजी से जूझ रही है।

केंद्र ने अब तक नहीं दी 260 करोड़ रुपए की मदद, वायनाड भूस्खलन पर केरल सीएम का बड़ा आरोप

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा तिरुवनंतपुरम

केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि केंद्र सरकार ने वायनाड भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र के लिए 260.65 करोड़ रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की है, लेकिन राज्य को अब तक यह धनराशि प्राप्त नहीं हुई है। यह बयान उन्होंने प्रश्नकाल के दौरान दिया। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने शुरुआती आकलन के आधार पर केंद्र से 2,262 करोड़ रुपये की मांग की थी। इसके बाद विस्तृत पोस्ट-डिजास्टर नीड्स असेसमेंट (पीडीएनए) रिपोर्ट तैयार की गई, जिसमें लगभग 2221.10 करोड़ रुपये की आवश्यकता का अनुमान लगाया गया। इस रिपोर्ट में मृतकों के आश्रितों, आजीविका गंवाने वालों और पुनर्वास की लागत का आकलन शामिल था। विजयन ने कहा कि इस मामले पर राष्ट्रीय कार्यकारी समिति (एनईसी) की उप-समिति ने विचार किया और राज्य स्तर की समिति के साथ बैठक भी की। समिति में मुख्य सचिव डॉ. ए. जयथिलक और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। चर्चाओं के बाद यह तय हुआ कि केंद्र से 260.65 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता दी जाएगी। लेकिन अभी तक यह राशि राज्य को नहीं मिली है। मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि केरल ने केंद्र से वायनाड भूस्खलन को "राष्ट्रीय आपदा" और "गंभीर प्रकृति की आपदा" घोषित करने की मांग की थी। इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से धारा 13 को बहाल करने की अपील की गई थी ताकि पीड़ितों के लिए ऋण माफी संभव हो सके। लेकिन इस पर अब तक कोई सकारात्मक जवाब नहीं मिला है। विजयन ने कहा कि सरकार ने एल्स्टन एस्टेट की 64.475 हेक्टेयर भूमि पर पीड़ितों के लिए टाउनशिप परियोजना शुरू की है। अब तक 295 लाभार्थियों ने नए घरों में शिफ्ट होने की सहमति दी है, जबकि अपील की जांच के बाद 49 और नाम इस सूची में जोड़े गए हैं। यह परियोजना जनवरी 2026 तक पूरी होने की उम्मीद है। वायनाड जिले के मुण्डक्कई और चूरालमला क्षेत्रों में 30 जुलाई 2023 को आए भूस्खलन में 200 से अधिक लोगों की मौत हुई थी और कई घायल हुए थे। इस आपदा ने पूरे क्षेत्र को लगभग तबाह कर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पूरी गंभीरता से पुनर्वास कार्य में जुटी है और केंद्र से अपेक्षित सहयोग मिलने पर कार्य और तेज होगा।

पाकिस्तान के क्वेटा में जबरदस्त धमाका, छह की मौत और 15 से ज्यादा घायल; अस्पतालों में इमरजेंसी घोषित

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा क्वेटा

पाकिस्तान के क्वेटा शहर में जबरदस्त विस्फोट हुआ है, जिसमें छह लोगों की मौत हुई है। धमाके में कई लोग घायल भी हुए हैं। क्वेटा पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत की राजधानी है। बलूचिस्तान के स्वास्थ्य विभाग के सचिव ने बताया कि बम विस्फोट के चलते क्वेटा के अस्पतालों में आपातकाल लागू कर दिया गया है। सभी डॉक्टर्स, पैरामेडिकल स्टाफ, नर्सों आदि को ड्यूटी पर मौजूद रहने का निर्देश दिया गया है। पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, बम धमाका क्वेटा की जरगून रोड के करीब हुआ। धमाके में कम से कम छह लोगों की मौत की खबर है और 15 अन्य घायल हुए हैं। बलूचिस्तान के स्वास्थ्य विभाग के मीडिया संयोजक ने बताया कि घायलों को सिविल अस्पताल समेत विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। बम धमाके का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें दिख रहा है कि एक व्यस्त सड़क पर अचानक तेज धमाका हुआ, जिसकी चपेट में सड़क पर मौजूद कई लोग आ गए। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह एक आत्मघाती धमाका है। गौरतलब है कि बीती 4 सितंबर को भी क्वेटा में एक राजनीतिक रैली के दौरान हुए बम धमाके में 15 लोगों की मौत हो गई थी और 30 से ज्यादा लोग घायल हुए थे।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले, फिर भी साफ मुकर गए मोहम्मद यूनुस, भारत पर ही लगा दिए आरोप

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा वॉशिंगटन

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने एक बार फिर भारत के खिलाफ जहर उगला है। मोहम्मद यूनुस ने भारत पर फर्जी खबरें फैलाने का आरोप लगाया है। साथ ही बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले की बात से भी मोहम्मद यूनुस साफ मुकर गए हैं। न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा से इतर मीडिया चैनल जीटियो के साथ बातचीत में मोहम्मद यूनुस ने कहा कि बांग्लादेश में कोई हिंदू विरोधी हिंसा नहीं है। यूनुस ने आरोप लगाया कि फिलहाल भारत की सबसे बड़ी खासियतों में से एक फर्जी खबरें फैलाना है। गौरतलब है कि मोहम्मद यूनुस ने यह दावा ऐसे समय किया है, जब पूरी दुनिया में बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों के खिलाफ हिंसा को लेकर चिंता जताई जा रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तो बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा को बर्बर करार दिया था। बीते साल नवंबर में हजारों हिंदुओं ने बांग्लादेश की सड़कों पर उतरकर अंतरिम सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था। इंटरव्यू के दौरान मोहम्मद यूनुस कहा कि जब बगावत के बाद शेख हसीना की सरकार गिरी तो उन्हें इससे बहुत राहत और खुशी मिली। मोहम्मद यूनुस ने कहा कि उन्हें बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि ऐसा कुछ हो जाएगा। यूनुस ने कहा कि जब प्रदर्शनकारियों ने अंतरिम सरकार के लिए मुख्य सलाहकार के तौर पर उनके नाम का प्रस्ताव दिया तो वे खुद भी हैरान रह गए थे क्योंकि वे कभी किसी से न मिले थे और न ही उन्हें जानते थे। मोहम्मद यूनुस ने न्यूयॉर्क के एक कार्यक्रम में आरोप लगाया कि भारत पर बांग्लादेश के छात्र आंदोलन को बदनाम करने की कोशिश कर रहा है और फर्जी खबरें फैलाकर शेख हसीना का समर्थन कर रहा है।

30 साल में तिगुना बढ़ी तपिश

दुनिया के बड़े शहरों में गर्मी का कहर, 26 फीसदी ज्यादा बढ़े झुलसाने वाले दिन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

दुनिया के बड़े शहरों में झुलसाने वाली गर्मी तेजी से बढ़ रही है, इसका खुलासा एक नए अध्ययन से हुआ है। इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट फॉर एनवायरनमेंट एंड डेवलपमेंट (आईआईईडी) की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 30 वर्षों में बेहद गर्म दिनों (35एष्ट से ऊपर) की संख्या औसतन 26' बढ़ गई है। 1994 से 2003 के बीच जहां हर साल औसतन 1062 दिन इतने गर्म रहते थे, वहीं 2015 से 2024 में यह संख्या 1335 हो गई। साल 2024 सबसे ज्यादा तपता हुआ साल रहा, जिसमें 1612 बेहद गर्म दिन दर्ज किए गए, यह 1994 की तुलना में 52 फीसदी ज्यादा है। वहीं दिल्ली समेत दुनिया के कई शहरों में झुग्गी-बस्तियों में रहने वाले लोग सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं, क्योंकि वहां मकान और बुनियादी ढांचा गर्मी झेलने लायक नहीं हैं। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि यदि तुरंत कदम नहीं उठाए गए तो करोड़ों लोग शहरों में खतरनाक हालात का सामना करेंगे। दिल्ली जैसे शहरों में, जहां आबादी 2013 से अब तक आधी से ज्यादा बढ़ चुकी है, गर्मी का दबाव लगातार बढ़ रहा है। ब्राजील की राजधानी ब्रासीलिया में 1994-2003 के बीच केवल 3 दिन 35 डिग्री से ऊपर गए थे, लेकिन हाल की एक दशक में यह संख्या 40 हो गई। साओ पाउलो जैसे ठंडे माने जाने वाले शहर में 2024 में ही 30 डिग्री से ऊपर के 120 दिन दर्ज हुए। रोम (इटली) में पहले 11 दिन ही इतने गर्म होते थे, जो अब बढ़कर 24 हो गए। मैड्रिड (स्पेन) में यह औसत 25 से बढ़कर 47 दिन हो गया। बर्लिन (जर्मनी) ने भी अधिक गर्म दिनों का अनुभव किया। 2024 में अंटानानारिवो (मेडागास्कर), काहिरा (मिस्र), जोहान्सबर्ग (दक्षिण अफ्रीका), किंशासा (डीआर कांगो), मनीला (फिलीपींस), रोम (इटली), टोक्यो (जापान), वाशिंगटन डीसी (अमेरिका) और याओंडे (कैमरून) में रिकॉर्ड गर्मी दर्ज की गई। आईआईईडी की शोधकर्ता अन्ना वाल्निकी ने कहा कि ग्लोबल तापमान सरकारों की उम्मीद से कहीं ज्यादा तेजी से बढ़ रहा है, और वे उसके मुताबिक कदम उठाने में पीछे हैं। उन्होंने कहा कि यदि तुरंत कार्रवाई नहीं की गई तो करोड़ों लोग शहरों में और भी खतरनाक हालात झेलेंगे

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, संदीप कुमार के लिए कसाणा प्रिंटिंग प्रेस, नियर बस स्टैंड भिण्डुसी, तहसील- तिजारा, जिला- अलवर (राजस्थान) पिन कोड- 301405, से मुद्रित तथा 109, धर्मशाला के पास, वीपीओ- हींगवाहेड़ा, तहसील- तिजारा, जिला- अलवर (राजस्थान) पिन कोड- 301411 से प्रकाशित। संपादक, संदीप कुमार Mob- 9414508610 E-mail:- pratigya.alwar@gmail.com पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र अलवर होगा